RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्षः 11 अंकः 54 | जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ ,शनिवार, 22 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

जयपुर में स्कूल निरीक्षण के दौरान बवाल

सीजेपी का आरोप, लाठी-डंडों और पथराव से किया हमला, ग्रामीण बोले, सिर्फ विरोध किया था

'एजेंसी। जयपुर

जयपुर एयरपोर्ट से महज 15 किलोमीटर जबकि जयपुर के हवा महल से 25 किलोमीटर दूर स्थित रामपुरा कंवरपुरा में सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची कॉकरोच जनता पार्टी की टीम ने ग्रामीणों पर हमला करने का आरोप लगाया है।। सीजेपी का कहना है कि मौके पर पहले से मौजूद बीजेपी समर्थकों ने कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की की, लाठी-डंडों से मारपीट की और पथराव किया। वहीं ग्रामीणों ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने केवल सीजेपी टीम का विरोध किया था और किसी के साथ मारपीट नहीं की।

'200-250 लोगों के साथ आई थी सीजेपी टीम'

ग्रामीण जुगल किशोर शर्मा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि गांव के लोगों ने किसी के साथ मारपीट नहीं की। उनका दावा है कि सीजेपी टीम करीब 200-250 लोगों के साथ पहुंची थी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने शांतिपूर्वक बात की, लेकिन सीजेपी कार्यकर्ताओं ने खुद अपनी गाड़ी तोड़ दी। जुगल किशोर के मुताबिक स्कूल की मरम्मत के लिए 12 लाख रुपये स्वीकृत किए जा चुके हैं और यह काम स्थानीय विधायक के माध्यम से कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव में बीजेपी और कांग्रेस के अलावा किसी अन्य पार्टी को आने नहीं दिया जाएगा। घटना के बाद उनकी पत्नी के डर के कारण घर से बाहर नहीं निकलने की बात भी उन्होंने कही।

'स्कूल नहीं टूटने देंगे', छात्र कहां जाएंगे?

ग्रामीण अनु शर्मा ने कहा कि सीजेपी टीम के विरोध की वजह स्कूल को तोड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि स्कूल में करीब 20-25 बच्चे पढ़ते हैं और यदि भवन को तोड़ा गया तो इन छात्रों की पढ़ाई कहां होगी। अनु शर्मा के मुताबिक स्कूल की मरम्मत के लिए पहले ही फंड स्वीकृत हो चुका है। उन्होंने घटना को लेकर कहा कि मौके पर सिर्फ तीखी बहस हुई थी।

'लाठी से पीटा, पत्थर भी बरसाए'

सीजेपी टीम की सदस्य संजू ने दावा किया कि टीम रामपुरा के स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची थी। उनके अनुसार टीम के साथी करीब एक साल पहले भी यहां आए थे और उस समय स्कूल में बच्चों की पढ़ाई भैंसों के बाड़े में होने की बात सामने आई थी। संजू का आरोप है कि मौके पर बीजेपी-ऋस्र्स से जुड़े लोग पहले से मौजूद थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को धक्का दिया, लाठियों से पीटा और पत्थर भी फेंके। संजू ने दावा किया कि उन्हें जमीन पर गिराकर डंडे से पीटा गया, जिससे उनके हाथ में चोट आई है।

'48 घंटे में आरोपियों को गिरफ्तार करो'

सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने घटना को लेकर बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मौके पर पहले से पथराव हो रहा था और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। रांका ने दावा किया कि सीजेपी कार्यकर्ताओं के हाथों में चोट आई, वाहनों में तोड़फोड़ की गई और महिलाओं पर भी पत्थर फेंके गए। उन्होंने इसे पूर्व नियोजित हमला बताते हुए 48 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी और सरकारी स्कूलों में प्रवेश संबंधी आदेश वापस लेने की मांग की। रांका ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन शिक्षा के मुद्दे से आगे बढ़कर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ भी किया जाएगा।

'लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश'

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने घटना और सरकारी स्कूलों में मीडिया व आम जनता के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध की आलोचना की। पायलट ने कहा कि जनता, छात्रों और युवाओं में व्यवस्था को लेकर भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी नाकामियों, बदहाल बुनियादी ढांचे और जर्जर स्कूलों की स्थिति को छिपाने के लिए तानाशाही आदेश जारी कर प्रेस की स्वतंत्रता और लोकतंत्र को दबाने का प्रयास कर रही है। भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायक थावरचंद ने भी घटना की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार स्कूलों की बदहाली को छिपाने के लिए अपने लोगों के जरिए सच की आवाज दबा रही है।

'सीजेपी क्या है? घर में कॉकरोच का क्या काम'

जयपुर के बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने सीजेपी के नाम पर ही सवाल उठाते हुए कहा, 'सीजेपी क्या है? घर के अंदर कॉकरोच का कोई काम नहीं होता। बच्चे और युवा घर के अंदर होते हैं।' वहीं बीजेपी विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि उन्हें मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने सीजेपी का बहिष्कार किया और उन्हें इलाके में प्रवेश नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि यह ग्रामीणों का मामला है।

क्या बोले बालमुकुंद आचार्य?

बालमुकुंद आचार्य ने दावा किया कि बीजेपी सरकार आने के बाद स्कूलों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और कई विधानसभा क्षेत्रों में नए स्कूल भवन बनाए गए हैं। उन्होंने माना कि सब कुछ पूरी तरह ठीक नहीं है, लेकिन काफी सुधार हुआ है। उनका कहना है कि कहीं किसी कारण से भवन निर्माण का काम रुका हो तो जानकारी मिलने पर उसे तुरंत शुरू कराया जाता है। इस पूरे मामले में शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि हिंसा गलत है। सरकार को भी सोचना चाहिए कि ऐसे हालात ना बने।

मदन प्रजापत ने सीजेपी के अस्तित्व पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता मदन प्रजापत ने सीजेपी को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि सीजेपी राजनीतिक दल है, एनजीओ है या ट्रस्ट। उन्होंने आरोप लगाया कि संगठन राजस्थान में अराजकता का माहौल पैदा करना चाहता है। प्रजापत ने कहा कि सरकारी स्कूलों की दुर्दशा एक दिन में नहीं हुई और न ही यह समस्या केवल पिछले सवा दो साल की है। उन्होंने पिछली सरकारों की जिम्मेदारी का सवाल उठाते हुए सीजेपी के अभियान को राजनीतिक स्टंट बताया और कहा कि ग्रामीणों ने इसे नकार दिया है।

राहुल का धरना छात्रों के लिए नहीं, सस्ती राजनीति का मंच: जेपी नड्डा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर राहुल गांधी के धरने को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। नड्डा ने कहा कि पूरा देश एक बार फिर उस तरह की सस्ती और ध्यान खींचने वाली राजनीति देख रहा है, जिसका प्रदर्शन राहुल गांधी ने आज किया। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी का यह धरना न तो छात्रों के लिए है और न ही न्याय की मांग को लेकर। नड्डा के मुताबिक, यह कांग्रेस की राजनीतिक हताशा और राहुल गांधी की मीडिया में बने रहने की कोशिश का प्रतीक है।

सुप्रीम कोर्ट की कमेटी का हवाला क्यों दिया?

जेपी नड्डा ने कहा कि 20 जुलाई की घटना का सुप्रीम कोर्ट पहले ही संज्ञान ले चुका है और इसकी जांच के लिए पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय हाई-पावर्ड कमेटी गठित की जा चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश की सर्वोच्च अदालत इस मामले की जांच कर रही है, तो पुलिस थाने के बाहर कैमरों के सामने बैठकर राहुल गांधी क्या साबित करना चाहते हैं। नड्डा ने यह भी सवाल किया कि क्या विपक्ष के नेता को देश की न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का धरना केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए किया गया 'कैमरा केंद्रित ड्रामा' है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन का उद्देश्य न्याय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि मीडिया का ध्यान आकर्षित करना है। नड्डा के मुताबिक, जब मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में है, तब इस तरह का प्रदर्शन करने का कोई औचित्य नहीं है।

कांग्रेस पर क्या आरोप लगाया?

जेपी नड्डा ने प्रदर्शन के समय को लेकर भी कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस समय देशभर में 'वंदे मातरम' के मुद्दे को लेकर आलोचना का सामना कर रही है। नड्डा ने आरोप लगाया कि जनता कांग्रेस से राष्ट्रीय गीत के कथित अपमान को लेकर जवाब मांग रही है। उन्होंने एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्वारा तिरंगे की शक्ल वाले केक को काटे जाने का भी जिक्र किया। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर हो रही आलोचना से बचाने और कथित रूप से हुई राजनीतिक किरकिरी से ध्यान हटाने के लिए राहुल गांधी ने यह नया प्रदर्शन शुरू किया है। उन्होंने दावा किया कि यह पूरा घटनाक्रम कांग्रेस के सामने खड़े विवाद से जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश है। हालांकि, ये सभी आरोप जेपी नड्डा की ओर से लगाए गए हैं।

बीजेपी-कांग्रेस में क्यों बढ़ी तकरार?

राहुल गांधी के धरने और उस पर जेपी नड्डा की प्रतिक्रिया ने भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव को और तेज कर दिया है। एक तरफ राहुल गांधी प्रदर्शन के जरिए मुद्दे को उठाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं भाजपा इसे राजनीतिक प्रदर्शन और मीडिया का ध्यान खींचने की कवायद बता रही है। नड्डा ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित पांच सदस्यीय समिति को भी याद दिलाते हुए कहा कि मामले की जांच पहले से न्यायिक प्रक्रिया के तहत चल रही है।

करोल बाग में पुरानी इमारत की दीवार गिरी, कई लोग घायल, रेस्क्यू जारी

'एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली के करोल बाग इलाके में एक पुरानी इमारत की दीवार गिरने से कई लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के मंडल अधिकारी गोपाल मीना ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्यारेलाल रोड पर ज्वैलर्स के पास यह हादसा हुआ। सूचना मिलने पर अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा। टीम ने बताया कि 2-3 लोगों को पहले ही बचाकर जीवनमाला अस्पताल भेजा जा चुका था। फिलहाल, घटनास्थल पर और लोगों की तलाश जारी है। मीना के अनुसार, इमारत में ध्वस्तीकरण का काम चल रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि यह एक बहुत पुरानी और जर्जर हालत वाली इमारत थी।

गुजरात के भावनगर में जहरीली शराब पीने से अब तक आठ लोगों की मौत

'एजेंसी। भावनगर

गुजरात के भावनगर जिले में नकली शराब के सेवन से अब तक 61 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें आठ लोगो की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, 10 मरीज गंभीर हालत में हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को दी। जिला प्रशासन ने बताया कि मेथनॉल युक्त शराब का सेवन करने वाले 25 लोग अभी भी इलाज करा रहे हैं। मेथनॉल एक अत्यंत विषैला पदार्थ है। वर्तेज पुलिस स्टेशन में जहरीली शराब त्रासदी के संबंध में दर्ज एफआईआर में नामजद 21 आरोपियों में से 13 को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गुजरात एक 'शुष्क' राज्य है, जहां शराब का निर्माण, बिक्री और सेवन प्रतिबंधित है। जिला प्रशासन कार्यालय ने बताया, 'कुल 61 लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 25 का अभी भी इलाज चल रहा है। शराब का सेवन करने वाले 18 अन्य लोग अस्पताल पहुंचे । डॉक्टरों की सलाह लेने के बाद चले गए।' जिन लोगों का इलाज चल रहा है, उनमें से 15 की हालत स्थिर है, जबकि10 मरीज आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) में हैं, जिनमें से एक वेंटिलेटर पर है। 10 अन्य लोगों को अब तक छुट्टी दे दी गई है।

पुलिस ने क्या बताया?

पुलिस के अनुसार, पीड़ितों ने एक लोकप्रिय भारतीय निर्मित विदेशी शराब ब्रांड के नाम वाली बोतलों में पैक की गई नकली शराब का सेवन किया। आरोपियों पर गैर इरादतन हत्या, मिलावट और भारतीय न्याय संहिता एवं निषेध अधिनियम के तहत जहर मिलाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

तेज बुखार के साथ टूट रहा है शरीर तो तुरंत जाएं डॉक्टर के पास, दिल्ली वालों के लिए मुसीबत बनी एच1एन1 बीमारी

- सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने, हाथों की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की जा रही

एजेंसी। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली-एनसीआर इन दिनों स्वाइन फ्लू की खतरनाक चपेट में है। तेज बुखार, सिर-शरीर में दर्द और सांस की दिक्कतों के साथ बड़ी संख्या में लोग अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। बढ़ते जोखिमों को देखते डॉक्टर सभी लोगों को इन दिनों श्वसन संक्रमण से बचाव के लिए निरंतर उपाय करते रहने की सलाह दे रहे हैं। लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने, हाथों की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की जा रही है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग ने हालात का जायजा लेने के लिए गुरुवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्वास्थ्य विभाग और अस्पतालों के साथ बैठक की। विभाग को निगरानी

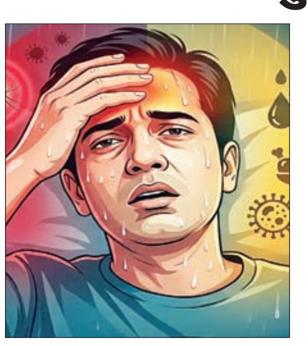

बढ़ाने, तैयारियों को मजबूत करने और जरूरी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने भी शुक्रवार को दिल्ली में स्वाइन फ्लू की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की और जरूरी निर्देश दिए। अस्पतालों से प्राप्त हो रही जानकारियों के मुताबिक मरीज बहुत तेज बुखार की शिकायत कर रहे हैं, कई लोगों का कहना है कि इससे पहले उन्होंने इतना तेज बुखार कभी नहीं झेला था।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू के हालात

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिल्ली में मौसम बदल रहा है, नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव से ऐसे हालात बन रहे हैं जिनसे सांस का संक्रमण तेजी से फैल सकता है। पिछले साल की तुलना में इस साल दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में पहले से छह गुना से अधिक की बढ़ोतरी है। ऐसे में हालात का और बिगड़ना समस्याओं को बढ़ाने वाला हो सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने की बैठक

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने शुक्रवार को देश में एच1एन1 इन्फ्लूएंजा की मौजूदा स्थिति और तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी पर खास ध्यान देते हुए लगातार सतर्कता और त्वरित निगरानी की जरूरतों पर जोर दिया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह भी इस बैठक में शामिल हुए। नड्डा ने इन्फ्लूएंजा के ट्रेंड पर कड़ी नजर रखने और मामलों का जल्द पता लगाने व समय पर इलाज सुनिश्चित करने के लिए पहले से तैयारी करने की जरूरत पर जोर दिया। दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की भी समीक्षा की गई, जिसमें अस्पताल के बेड, क्रिटिकल केयर सुविधाएं और मौसमी इन्फ्लूएंजा व गंभीर श्वसन बीमारी वाले मरीजों के इलाज के लिए जरूरी अन्य चीजों की उपलब्धता शामिल थी। स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों में जागरूकता और बचाव के स्वस्थ तरीकों, जैसे श्वसन और हाथ की स्वच्छता का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को लगातार या गंभीर श्वसन संबंधी लक्षण, सांस लेने में तकलीफ या अन्य चेतावनी वाले संकेत महसूस हों, उन्हें तुरंत डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

घुसपैठ रुके बिना न बंगाल सुरक्षित, न भारत: अमित शाह

45 दिन में बीएसएफ-एसएसबी को मिली 1,129 एकड़ जमीन, अमित शाह ने बंगाल सरकार की सराहना

'एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल में बीएसएफ और एसएसबी को 1,129 एकड़ जमीन दिए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर यह कदम उठाया गया और इसकी वजह बीजेपी सरकार होना नहीं, बल्कि घुसपैठ के खतरे को समझना है। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि घुसपैठ पर रोक लगाए बिना न तो पश्चिम बंगाल और न ही भारत को पूरी तरह सुरक्षित किया जा सकता है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सरकार बनने के महज 45 दिनों के भीतर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सीमा सुरक्षा बल और सशस्त्र सीमा बल के लिए 1,129 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई है। उन्होंने इसे सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया।

'तेजी की वजह बीजेपी सरकार होना नहीं'

गृह मंत्री ने कहा कि इस काम में दिखाई जा रही तेजी की वजह केवल यह नहीं है कि राज्य में बीजेपी की सरकार है। उनके मुताबिक, इसके पीछे घुसपैठ के खतरे को लेकर गंभीर समझ और उसे रोकने की प्रतिबद्धता है।

'घुसपैठ नहीं रुकी तो भारत सुरक्षित नहीं'

अमित शाह ने कहा कि जब तक घुसपैठ पर पूरी तरह रोक नहीं लगती, तब तक पश्चिम बंगाल की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा कि घुसपैठ रुकना जरूरी है, क्योंकि इसके बिना न तो पश्चिम बंगाल सुरक्षित होगा और न ही भारत। सशस्त्र सीमा बल के जवानों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा और घुसपैठ रोकने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक और सीमाई सुरक्षा के लिए सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

खुली सीमा की सुरक्षा करना सबसे कठिन काम

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वह हमेशा मानते हैं कि खुली सीमा की सुरक्षा करने वाले स्स्क्रजवानों का काम सबसे कठिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से सिलिगुड़ी कॉरिडोर के महत्व को पहचाना है। यह एक संवेदनशील कॉरिडोर है, जो 8 राज्यों को जोड़ता है और जहां नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाएं मिलती हैं। अमित शाह ने बताया कि सरकार ने चोपड़ा, किशनगंज और धुबरी में सुरक्षा बलों की मौजूदगी बढ़ाई है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: बदले न्यायिक सेवा में प्रवेश के नियम, अब एक साल वकालत कर भी बन सकेंगे जज

'एजेंसी। नई दिल्ली

न्यायिक सेवा में प्रवेश से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने वकालत की प्रैक्टिस को अनिवार्य शर्त बनाए रखने के अपने फैसले को बरकरार रखा है। हालांकि, कोर्ट ने बार में जरूरी प्रैक्टिस की अवधि तीन साल से घटाकर एक साल कर दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक और शर्त लगाई है। इसके तहत न्यायिक सेवा परीक्षा में सफल होने वाले उम्मीदवारों को एक साल का गहन प्रशिक्षण राज्य न्यायिक अकादमी में लेना होगा। इसके बाद छह महीने जिला न्यायाधीश/उच्चतर न्यायिक सेवा के अधिकारी के साथ क्लर्कशिप और छह महीने किसी मौजूदा हाईकोर्ट जज के साथ क्लर्कशिप करनी होगी।

सीजेआई सूर्यकांत ने की थी क्या टिप्पणी?

अदालत ने कहा था कि तीन साल की प्रैक्टिस की शर्त कानून की पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं के लिए एक खाली अवधि पैदा करती है। इससे प्रतिभाशाली उम्मीदवार कानून की पढ़ाई पूरी करने के तुरंत बाद न्यायिक सेवा को करियर के विकल्प के रूप में चुनने से हतोत्साहित हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने किए क्या बदलाव?

सुप्रीम कोर्ट ने संक्रमण अवधि के संबंध में भी महत्वपूर्ण छूट दी है, जो 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगी। अदालत ने कहा, ''निर्देश यह है कि तीन साल की प्रैक्टिस की आवश्यकता के बावजूद सभी कानून स्नातक आवेदन करने के पात्र होंगे। इस तथ्य को देखते हुए कि समीक्षा के तहत फैसले को सुनाए जाने के बाद एक साल से अधिक समय बीत चुका है। ऐसे उम्मीदवारों को आवेदन के लिए एक साल की सक्रिय प्रैक्टिस पूरी कर लेने वाला माना जाएगा और उन्हें इस अवधि के लिए प्रैक्टिस का प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं होगी।'' सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में खुली अदालत में उन समीक्षा याचिकाओं पर सुनवाई की थी, जिनमें न्यायिक सेवा में प्रवेश के लिए न्यूनतम तीन साल की कानूनी प्रैक्टिस अनिवार्य करने वाले उसके फैसले को चुनौती दी गई थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रैक्टिस महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें युवा प्रतिभाओं पर इसके प्रभाव को भी देखना होगा।

शांति एक्ट: मसौदा नियमों पर अमेरिकी परमाणु उद्योग देगा सुझाव, लाइसेंस से जवाबदेही तक के उठाएगा मुद्दे

एजेंसी। नई दिल्ली

वॉशिंगटन अमेरिकी परमाणु उद्योग भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी का रास्ता खोलने वाले शांति अधिनियम को लागू करने के लिए प्रस्तावित नियमों और विनियमों पर भारत सरकार को व्यापक सुझाव देगा। परमाणु ऊर्जा विभाग ने पिछले सप्ताह शांति अधिनियम के मसौदा नियम और विनियम जारी किए थे। विभाग ने इन पर 4 सितंबर तक सुझाव मांगे हैं। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) ने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी परमाणु उद्योग के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा कराया था। इसका उद्देश्य असैन्य परमाणु क्षेत्र में अवसरों की तलाश करना था। यूएसआईएसपीएफ ने गुरुवार को भारत के कानूनी विशेषज्ञों और यहां स्थित न्यूक्लियर एनर्जी इंस्टीट्यूट के साथ मसौदा नियमों पर चर्चा की। यूएसआईएसपीएफ ने सोशल मीडिया

पर एक पोस्ट में कहा, ''यूएसआईएसपीएफ 4 सितंबर की समय सीमा तक भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग को उद्योग की ओर से व्यापक सुझाव देने की प्रक्रिया में समन्वय कर रहा है।'' यूएसआईएसपीएफ ने हाल ही में जारी शांति के मसौदा नियमों और विनियमों पर अपनी न्यूक्लियर इंडस्ट्री कमेटी के लिए एक ऑनलाइन ब्रीफिंग भी आयोजित की। फोरम ने कहा कि इस ऑनलाइन बैठक में परमाणु क्षेत्र की पूरी वैल्यू चेन से जुड़े वरिष्ठ उद्योग प्रतिनिधि शामिल हुए।

सीआईएसएफ की नई पहल: ग्रीन बैरियर तैयार कर रहा केंद्रीय बल, सुरक्षा कवच के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी संकल्प

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली एयरपोर्ट/मेट्रो और विभिन्न प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करने वाला केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अब पर्यावरण संरक्षण के लिए मैदान में उतर गया है। पर्यावरण की रक्षा, मिट्टी के कटाव को रोकने और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, सीआईएसएफ ने अपने खस रोपण अभियान का विस्तार किया है। प्रधानमंत्री मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर, सीआईएसएफ के महानिदेशक, प्रवीर रंजन ने बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर दिल्ली के गंगा विहार (सराय काले खां के पास) में यमुना तट पर वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान के तहत खस की एक लाख स्लिप्स (जड़ें/पौधे) लगाई जा रही हैं। 'सीआईएसएफ खस रोपण पहल 2026' के तहत, सीआईएसएफ की विभिन्न यूनिट्स और नर्सरियों में लगभग 15 से 20 लाख खस के पौधे लगाए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण पर्यावरण-अनुकूल पहल के लिए, दिल्ली विकास प्राधिकरण ने यमुना रिवरफ्रंट पर लगभग छह एकड़ जमीन उपलब्ध कराई, जबकि दिल्ली वन विभाग ने 1,000 पौधों का योगदान दिया। इस अभियान के दौरान सेमल, करंज, आंवला, जंगल जलेबी, अर्जुन, कचनार और मोरिंगा (सहजन) जैसे पौधों के साथ-साथ खस की एक लाख से ज्यादा स्लिप्स (जड़ें/पौधे) लगाई गईं।

प्रभावी 'ग्रीन बैरियर' (हरित दीवार) तैयार

पेड़ों के साथ खस लगाना उनकी तेजी से और स्वस्थ वृद्धि में मदद करता है, जिससे एक बेहद प्रभावी 'ग्रीन बैरियर' (हरित दीवार) तैयार होती है। इस अभियान के साथ ही सीआईएसएफ की देशव्यापी हरियाली मुहिम और तेज हो गई है। जब से बल ने नियमित वृक्षारोपण शुरू किया है, तब से पूरे देश में अब तक 40 लाख से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं।

नाकाबंदी तोड़ी, स्टॉप स्टिक भी लांघी... लेकिन पंचर ने खोल दिया नशे के कारोबार का राज!

दो गाड़ियों में दौड़ रहा था नशे का काफिला, पुलिस ने जब्त किया 753.550 किलो डोडा-पोस्त और 6.420 किलो अफीम

एक स्कॉर्पियो और क्रेटा समेत फर्जी नंबर प्लेटें बरामद, जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 1.42 करोड़ रुपए

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा । रात का सन्नाटा... सड़क पर तेज रफ्तार से दौड़ती दो संदिग्ध गाड़ियां... सामने पुलिस की नाकाबंदी और फिर बैरियर तोड़कर भागने की कोशिश। बदमाशों ने पुलिस को चकमा देने के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। कुछ दूर जाकर दोनों वाहनों में से एक के पंचर होते ही तस्करों का पूरा खेल खुल गया। अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश मौके से फरार हो गए, लेकिन उनकी गाड़ियों में छिपा 753 किलो 550 ग्राम डोडा-पोस्त और 6 किलो 420 ग्राम अफीम पुलिस के हाथ लग गई। डीएसटी भीलवाड़ा और थाना फुलियाकलां पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सामने आए इस बड़े नशे के खेल ने इलाके में खलबली मचा दी है। पुलिस ने मादक पदार्थों के साथ तस्करी में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो और एक क्रेटा कार, विभिन्न नंबरों की फर्जी नंबर प्लेटें भी जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार बरामद डोडा-पोस्त की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 1 करोड़ 12 लाख रुपए, जबकि अफीम की कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी गई है। यानी जब्त मादक पदार्थ की कुल अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 42 लाख रुपए है। शाहपुरा की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजुम कायल ने पत्रकार वार्ता में कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने आदर्श चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर अवैध मादक पदार्थों और तस्करों के खिलाफ अभियान तेज कर रखा है। इसी क्रम में डीएसटी भीलवाड़ा और थाना फुलियाकलां पुलिस ने संयुक्त रूप से यह बड़ी कार्रवाई की।

मुखबिर की सूचना ने खोल दी तस्करी की परत

पुलिस के अनुसार 20 अगस्त 2026 की रात डीएसटी के हैडकांस्टेबल कालूराम दायल को मुखबिर से खास सूचना मिली। सूचना थी कि शाहपुरा की ओर से दो गाड़ियों में कुछ संदिग्ध और बदमाश प्रवृत्ति के लोग तेज रफ्तार से गुलाबपुरा की तरफ जा रहे हैं। आशंका जताई गई कि ये लोग किसी गंभीर वारदात को अंजाम दे सकते हैं। सूचना मिलते ही डीएसटी टीम सक्रिय हो गई और ग्राम कोठिया में नाकाबंदी कर दी गई। कुछ देर बाद शाहपुरा की तरफ से दो गाड़ियां आती दिखाई दीं। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वाहन चालकों ने रुकने के बजाय नाकाबंदी तोड़ दी और गुलाबपुरा की ओर तेज गति से भाग निकले। पुलिस ने भी पीछा शुरू कर दिया। बदमाशों की रफ्तार देखकर पुलिस ने दूसरी पार्टी को भी अलर्ट किया। दूसरी टीम ने सड़क पर स्टॉप स्टिक लगा दी, लेकिन वाहन चालकों ने वहां भी रुकने के बजाय स्टॉप स्टिक को पार कर भागने की कोशिश की। पुलिस के लिए यह साफ संकेत था कि गाड़ियों में कुछ ऐसा जरूर है, जिसे लेकर बदमाश किसी भी हद तक भागने को तैयार थे।

भागते-भागते पंचर हुई गाड़ियां, अंधेरे में गायब हुए बदमाश

पुलिस का पीछा जारी रहा। कुछ दूरी पर कोठिया गांव से गुलाबपुरा की तरफ जाते समय दोनों गाड़ियां पंचर हो गईं। इसके बाद बदमाशों के सामने भागने का रास्ता बंद हो गया। उन्होंने वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाया और मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही थाना फुलियाकलां पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के इलाके में काफी देर तक संदिग्धों की तलाश की, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हुए बदमाश हाथ नहीं आए। हालांकि, पुलिस के हाथ ऐसी चीज लग गई, जिसने पूरी कार्रवाई को बड़ी सफलता में बदल दिया। जब पुलिस ने दोनों वाहनों की तलाशी ली तो भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ बरामद हुआ। गाड़ियों से 753 किलो 550 ग्राम डोडा-पोस्त तथा 6 किलो 420 ग्राम अफीम बरामद की गई। इसके अलावा वाहनों में विभिन्न नंबरों की फर्जी नंबर प्लेटें भी मिलीं।

करोड़ों का माल, लाखों की गाड़ियां और फर्जी नंबर प्लेट

पुलिस ने कार्रवाई में 753 किलो 550 ग्राम डोडा-पोस्त जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 12 लाख रुपए बताई गई है। वहीं 6 किलो 420 ग्राम अवैध अफीम की कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी गई है। नशे के इस काफिले में इस्तेमाल की जा रही स्कॉर्पियो कार की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपए और क्रेटा कार की कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने दोनों वाहनों को भी जब्त कर लिया है। वाहनों से बरामद अलग-अलग नंबरों की फर्जी नंबर प्लेटों ने पुलिस के शक को और मजबूत कर दिया है कि तस्कर पुलिस और अन्य एजेंसियों की नजर से बचने के लिए वाहनों की पहचान बदलने का तरीका अपना रहे थे। पुलिस ने इस मामले में प्रकरण संख्या 188/2026 धारा 8/15 एवं 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया है। मामले का अनुसंधान पुलिस निरीक्षक लीलाबर मालवीय, थानाधिकारी शाहपुरा के जिम्मे किया गया है। अब पुलिस का अगला फोकस उन लोगों तक पहुंचना है, जो इस पूरे नशे के नेटवर्क के पीछे हैं।

अब फरार तस्करों की तलाश, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

मौके से बदमाशों के फरार होने के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में तलाश शुरू कर दी है। जब्त वाहनों, फर्जी नंबर प्लेटों और बरामद मादक पदार्थों के आधार पर पुलिस तस्करी के पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। यह भी पता लगाया जाएगा कि इतनी बड़ी मात्रा में डोडा-पोस्त और अफीम कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी कन्हैयालाल के नेतृत्व में कालूराम हैडकांस्टेबल, विजय सिंह, राकेश भंडारी, कन्हैयालाल कांस्टेबल, बनवारीलाल, अशलम, घेवरलाल और घीसूलाल सहित टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं थाना फुलियाकलां की टीम में थानाधिकारी दिनेश कुमार, सहायक उपनिरीक्षक मांगीलाल, हैडकांस्टेबल संदीप तथा कांस्टेबल मनीष कुमार, सुरेश कुमार और चालक कांस्टेबल अनवर अहमद शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई ने एक बार फिर साफ कर दिया कि नशे के सौदागर कितनी भी तेज गाड़ी दौड़ा लें, नाकाबंदी तोड़ लें या फर्जी नंबर प्लेटों के पीछे अपनी पहचान छिपा लें, लेकिन पुलिस की नजर से बचना आसान नहीं है। इस बार तस्करों की रफ्तार से तेज साबित हुई पुलिस की सूचना तंत्र की पकड़... और एक पंचर ने करोड़ों के नशे के कारोबार का पहिया जाम कर दिया।

जहाजपुर में अंतर-जिला वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

चोरी की 4 मोटरसाइकिलें बरामद, अजमेर सहित अन्य क्षेत्रों में वारदातें करना कबूला

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर / थाना पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर-जिला वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। कार्रवाई के बाद पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी किए गए वाहनों के संबंध में पूछताछ में जुटी है। पुलिस उपाधीक्षक रेवड़मल मोर्य के सुपरविजन तथा जहाजपुर थानाधिकारी दयाराम चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहन चोरी की घटनाओं की जांच करते हुए संदिग्धों पर निगरानी रखी। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सांवरिया शुक्ला (30) निवासी छीपा मोहल्ला, जहाजपुर तथा अजय खटीक (27) निवासी संतोष नगर, जहाजपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने जहाजपुर के साथ-साथ अजमेर क्षेत्र से भी मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह में और कितने लोग शामिल हैं तथा आरोपियों ने अब तक कितने वाहनों को निशाना बनाया है। पुलिस की पूछताछ में वाहन चोरी की अन्य वारदातों के खुलासे और चोरी के और वाहन बरामद होने की संभावना जताई जा रही है। मामले में पुलिस जांच जारी है।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश जैन ने किया जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण

बंदियों के स्वास्थ्य, भोजन और बैरकों की व्यवस्थाएं जांचीं, विधिक सहायता उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के एक्शन प्लान के तहत जिला एवं सेशन न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अभय जैन ने जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण किया। उनके साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्य भी मौजूद रहीं। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश जैन ने जेल अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह फौजदार एवं जेल चिकित्सक से बंदियों के स्वास्थ्य और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। बंदियों की स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की तथा बैरकों का निरीक्षण कर साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए।

बंदियों को मिलेगी नि:शुल्क कानूनी सहायता:-

जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने निर्देश दिए कि जिन बंदियों के पास अधिवक्ता नहीं है, उन्हें विधिक सहायता के तहत नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने के लिए आवेदन करवाया जाए, ताकि कोई भी बंदी कानूनी सहायता से वंचित न रहे। निरीक्षण के दौरान जेलर हीरालाल गुर्जर, निर्मल दुग्गड़, दीपक अग्रवाल सहित जेल कर्मचारी उपस्थित रहे।

शंभूपुरा में तृतीय विशाल कावड़ यात्रा आज, सांसद विधायक करेंगे शिरकत

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। शंभूपुरा कस्बे में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कावड़ यात्रा धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ निकाली जाएगी। आयोजन समिति के राम प्रसाद जाट ने बताया कि आज शनिवार 22 अगस्त को तृतीय विशाल कावड़ यात्रा निकाली जाएगी जो प्रात: 11 बजे चमत्कारी सांवरिया जी शनिमहाराज मन्दिर शंभूपुरा से प्रारंभ होकर मुख्य चौराहों से भ्रमण करते हुए स्टेशन रोड स्थित बालाजी मंदिर पर महादेवजी का जलाभिषेक एव महाआरती होगी, जिसके बाद श्याम बगीची में महाप्रसादी का आयोजन होगा, कावड़ यात्रा में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं स्थानीय सांसद सीपी जोशी ओर स्थानीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। समिति के दीपक शर्मा ने बताया कि कावड़ यात्रा में आदिशक्ति मण्डल उज्जैन, महाकाल झांकिया, शाही सवारी, आदियोगी प्रतिमा एव भव्य पुष्पवर्षा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजनकर्ताओ ने कावड़ यात्रा की तैयारी को अंतिम रूप देते हुए कावड़ यात्रा में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आव्हान किया।

अक्षय सेवा संस्था का अनूठा संकल्प

वृद्धजनों के स्वास्थ्य के लिए हर माह हो रहा स्वास्थ्य परीक्षण

ओम शांति वृद्धा आश्रम में लगाया पांचवां मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप, 38 वृद्धजनों की बीपी और शुगर सहित की स्वास्थ्य जांच

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । अक्षय सेवा संस्था के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ओम शांति वृद्धा आश्रम में निवासरत वृद्धजनों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण का संकल्प लिया गया था। इसी कड़ी में शुक्रवार को आश्रम परिसर में संस्था की ओर से पांचवां मेडिकल हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित किया गया। संस्था द्वारा पिछले पांच माह से प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को यह स्वास्थ्य जांच शिविर निरंतर लगाया जा रहा है। संस्था के फाउंडर एवं अध्यक्ष पवन नागौरी ने बताया कि शिविर में आश्रम में निवासरत वृद्धजनों का नियमित मेडिकल चेकअप करने के साथ बीपी एवं शुगर की जांच की जाती है। आरवीआरएस मेडिकल कॉलेज के सहायक आचार्य एवं संस्था सदस्य डॉ. ऋषि टेलर द्वारा वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया जाता है। संस्था के मुख्य संरक्षक चंद्र देव आर्य ने बताया कि वर्तमान में ओम शांति वृद्धा आश्रम में कुल 38 वृद्धजन निवासरत हैं। संस्था परिवार द्वारा सभी वृद्धजनों के स्वास्थ्य का हर माह नियमित रूप से परीक्षण कराया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए रखना और आवश्यकता पड़ने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह उपलब्ध कराना है। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्षा लीला शर्मा ने बताया कि अक्षय सेवा संस्था द्वारा पिछले पांच वर्षों से विभिन्न जनहित एवं सेवा कार्य किए जा रहे हैं। संस्था की ओर से प्रतिवर्ष फरवरी माह में विशाल नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया जाता है। वहीं प्रचंड गर्मी के दौरान अप्रैल से जुलाई तक महात्मा गांधी अस्पताल में कतार में खड़े मरीजों एवं उनके परिजनों को लोटे-गिलास से घूम-घूमकर पानी पिलाने की सेवा भी की जाती है। इसके अलावा जन्मजात विकृति क्लब फुट से पीड़ित बच्चों को नि:शुल्क क्लब फुट शू उपलब्ध कराने सहित विभिन्न सेवा कार्य संस्था द्वारा किए जा रहे हैं। मेडिकल हेल्थ चेकअप कैंप के आयोजन में संस्था के वरिष्ठ सदस्य राधेश्याम पत्रिया, वीरेंद्र शर्मा, ओम शांति वृद्धा आश्रम के रामस्वरूप डाड एवं आश्रम स्टाफ का सहयोग रहा। संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि वृद्धजनों की सेवा एवं स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े ऐसे कार्य आगे भी निरंतर जारी रखे जाएंगे।

राजपुरा में मौत के साये में पढ़ रहे नौनिहाल

आंगनबाड़ी की छत से निकल रही सरिया, प्लास्टर गिरा, विभाग मौन

स्मार्ट हलचल

गुरला:- ग्राम पंचायत रामपुरिया के राजपुरा में 3 से 6 साल के मासूमों को जान जोखिम में डालकर आना पड़ता आंगनबाड़ी है राजस्थान सरकार एक तरफ पढ़ेगा राजस्थान, बढ़ेगा राजस्थान और हर बच्चे को सुरक्षित बचपन का नारा दे रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों का दूसरा घर बताता है। लेकिन धरातल पर हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। भीलवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत रामपुरिया के राजपुरा का आंगनबाड़ी केंद्र इसका जीता-जागता सबूत है। यहां की छत से प्लास्टर उखड़कर गिर रहा है, लोहे की सरिया बाहर निकल आई हैं, दीवारों में दरारें हैं। और इसी मौत के साये में रोज 12-14 नौनिहाल पढ़ने को मजबूर हैं। यदि समय रहते प्रशासन नहीं जागा तो किसी भी दिन एक बड़ा हादसा हो सकता है।छत का प्लास्टर पूरी तरह से उखड़ चुका है। जगह-जगह सीमेंट के नीचे की लोहे की सरिया पूरी तरह से खुली हुई दिख रही हैं, जिन पर जंग लगा हुआ है।छत में जगह-जगह बड़ी-बड़ी दरारें हैं, जिससे पानी रिस रहा है। प्लास्टर का मलबा नीचे फर्श पर बार बार गिरता है यह किसी पुराने खंडहर की फोटो नहीं, बल्कि उस आंगनबाड़ी केंद्र की है जहां सरकार द्वारा बच्चों को पोषाहार, प्रारंभिक शिक्षा और स्वास्थ्य जांच की सुविधा दी जाती है। नौनिहालों को जान जोखिम में डालकर भेजना पड़ता है आंगनबाड़ी राजपुरा आंगनबाड़ी केंद्र में कुल 16 बच्चे नामांकित हैं। रोजाना 12 से 14 बच्चे आते हैं। इनकी उम्र 3 साल से 6 साल के बीच है। इसके अलावा 9 गर्भवती महिलाएं और 3 धात्री महिलाएं भी यहां पोषाहार और जांच के लिए आती हैं।स्थानीय अभिभावक बताते हैं, 'हम अपने बच्चों को सुबह आंगनबाड़ी भेजते तो हैं, पर मन में डर लगा रहता है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की पीड़ा - 'हम भी डर-डर कर ड्यूटी करते हैं' आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राधा देवी गुर्जर ने बताया, 'मैं पिछले 12 साल से यहां कार्यरत हूं। पिछले 3 साल से छत की हालत खराब है। पिछले एक साल से तो बहुत ज्यादा खराब हो गई है। रोज थोड़ा-थोड़ा प्लास्टर गिरता है। मैंने सीडीपीओ ऑफिस, सुपरवाइजर और सरपंच साहब को कही बार लिखित में दिया है। मौखिक तो हर मीटिंग में बताती हूं। कहते हैं - बजट नहीं है आएगा तो देखेंगे। अब मैं क्या करूं? नौकरी करनी है तो डर-डर कर करनी पड़ रही है। बच्चों को अंदर से बुलाना तो दूर, बिठाने में भी डर लगता है। बारिश में तो पानी टपकता है, इसलिए पूरा सामान भी खराब हो जाता है

जिम्मेदार कौन? विभागों में फुटबॉल

इस पूरे मामले में सबसे बड़ी लापरवाही जिम्मेदारी तय न होना है।इस फुटबॉल में पिस रहे हैं मासूम बच्चे।राजपुरा आंगनबाड़ी केंद्र की यह जर्जर छत सिर्फ एक भवन की कहानी नहीं है, यह सिस्टम की लापरवाही की कहानी है। हम 16 बच्चों की जान को आंगनबाड़ी की मरम्मत के लिए दांव पर लगा रहे हैं

NOC के लिए 12 टेबलों पर भटक रहे पार्षद पद के दावेदार, चुनाव सिर पर फिर भी निगम बेपरवाह

एक प्रमाण पत्र के लिए 12 अनुभागों के चक्कर, बाबुओं के इंतजार में बीत रहा पूरा दिन; दावेदार बोले रिकॉर्ड ऑनलाइन तो सिंगल विंडो से NOC क्यों नहीं..?

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) नगर निगम चुनाव 2026 की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं और पार्षद पद के दावेदार चुनावी मैदान में उतरने के लिए जरूरी दस्तावेज जुटाने में लगे हैं। लेकिन भीलवाड़ा नगर निगम में अदेय प्रमाण पत्र (NOC) हासिल करना दावेदारों के लिए मुसीबत बन गया है। एक हृहष्ट के लिए आवेदकों को निगम के 12 अलग-अलग अनुभागों में जाकर हस्ताक्षर करवाने पड़ रहे हैं। निगम की ओर से दिए गए आवेदन पत्र में भवन, लेखा, स्टोर, राजस्व, रोशनी, टाउन हॉल, उद्यान, नगरीय विकास कर, निर्माण, गैराज, जनस्वास्थ्य और सामान्य शाखा से सत्यापन एवं हस्ताक्षर कराने की प्रक्रिया रखी गई है। ऐसे में दावेदार एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक चक्कर काटने को मजबूर हैं।

बाबू नहीं मिले तो पूरा दिन बर्बाद

दावेदारों का आरोप है कि कई बार संबंधित कर्मचारी अपनी सीट पर नहीं मिलते। कभी लंच तो कभी फील्ड विजिट के नाम पर आवेदकों को इंतजार करना पड़ता है। चुनाव की तारीखें नजदीक होने के बावजूद NOC जैसी जरूरी प्रक्रिया में यह व्यवस्था दावेदारों के लिए परेशानी का सबब बन रही है। दावेदारों का कहना है कि यदि समय रहते NOC जारी नहीं हुआ तो दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण कई इच्छुक प्रत्याशियों के सामने चुनावी मैदान से बाहर होने का संकट खड़ा हो सकता है।

जब रिकॉर्ड कंप्यूटर में, फिर 12 टेबलों की दौड़ क्यों?

सबसे बड़ा सवाल निगम की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। जब विभिन्न अनुभागों से संबंधित रिकॉर्ड नगर निगम के कंप्यूटर सिस्टम में उपलब्ध है तो आवेदक को एक ही प्रमाण पत्र के लिए 12 जगह घूमने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है? दावेदारों का कहना है कि निगम को सिंगल विंडो सिस्टम लागू कर सभी विभागों का सत्यापन आंतरिक स्तर पर करवाना चाहिए और आवेदक को एक ही काउंटर से NOC उपलब्ध करानी चाहिए।

दलीय राजनीति से ऊपर, सभी दावेदार परेशान

इस अव्यवस्था का असर किसी एक राजनीतिक दल के दावेदारों तक सीमित नहीं है। विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े पार्षद पद के इच्छुक प्रत्याशी इस प्रक्रिया को लेकर परेशान हैं। दावेदारों ने नगर निगम आयुक्त कमल सिंह यादव से मांग की है कि चुनाव को देखते हुए हृहष्ट प्रक्रिया को तत्काल सरल बनाया जाए और एकल खिड़की व्यवस्था के जरिए निर्धारित समय में प्रमाण पत्र जारी किए जाएं। अब सवाल यह है कि चुनावी प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ने के बीच नगर निगम प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेगा या दावेदारों को 12 टेबलों के चक्कर काटने की व्यवस्था में ही उलझाए रखेगा।

चेक अनादरण मामले में कंपनी निदेशकों को दो वर्ष का कारावास, 1.40 करोड़ रुपए प्रतिकर का आदेश

भीलवाड़ा कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला, धारा 138 के तहत दोषसिद्धि, प्रतिकर राशि अदा नहीं करने पर छह माह का अतिरिक्त कारावास

एक करोड़ का चेक बाउंस, सुयोजित इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक दंपती समेत तीन दोषी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । एक करोड़ रुपए के चेक बाउंस से जुड़े करीब 12 साल पुराने मामले में भीलवाड़ा की विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट (एनआई एक्ट प्रकरण) संख्या-05 की अदालत ने सुयोजित इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक अनिल भंवरलाल जैन व वैशाली अनिल जैन को दोषी माना है। अदालत ने तीनों को परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत दो साल के साधारण कारावास और 1.40 करोड़ रुपए प्रतिकर से दंडित किया। फैसला 19 अगस्त 2026 को सुनाया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र कुमार कचौलिया ने बताया की मामला परिवादी ललित प्रसाद कालिया की ओर से वर्ष 2012 में दायर किया गया था। परिवादी का आरोप था कि बकाया राशि के भुगतान के लिए आरोपियों की ओर से 31 मई 2011 का एक करोड़ रुपए का चेक जारी किया गया। चेक को 30 नवंबर 2011 को बैंक में प्रस्तुत करने पर वह पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण अनादरित हो गया। इसके बाद 29 दिसंबर 2011 को कानूनी नोटिस भेजा गया, लेकिन निर्धारित अवधि में राशि का भुगतान नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान आरोपियों ने चेक को सुरक्षा के तौर पर दिए जाने और उसके दुरुपयोग का दावा किया था। उन्होंने बकाया राशि से भी इनकार किया। अदालत ने चेक पर अनिल जैन के हस्ताक्षर और कंपनी के खाते से जारी होने सहित साक्ष्यों का परीक्षण किया। अदालत ने धारा 118 और 139 के तहत चेक धारक के पक्ष में बनी वैधानिक धारणा तथा आरोपियों की ओर से उसे प्रभावी ढंग से खंडित नहीं किए जाने को महत्वपूर्ण माना। इसके आधार पर तीनों को दोषसिद्ध किया गया। फैसले में अदालत ने कहा कि प्रतिकर की राशि अपील/रिवीजन की अवधि समाप्त होने के बाद परिवादी को दी जाएगी। प्रतिकर जमा नहीं करने पर आरोपियों को छह माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। मामले में परिवादी की ओर से अधिवक्ता राजेन्द्र कुमार कचौलिया एवं अधिवक्ता छोटूलाल माली ने पैरवी की। फैसला 19 अगस्त 2026 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

जवाहर कला केंद्र में सजा फोटोग्राफी का महाकुंभ, फोटो और पेंटिंग का हुआ संगम

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा-फोटोग्राफी किसी क्षण, भाव और कहानी को सहेजने की कला

स्मार्ट हलचल

जयपुर, विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में आयोजित 'नजर फोटो एवं पेंटिंग एग्जीबिशन' के पांचवें सीजन का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 21 से 23 अगस्त तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देश-विदेश के विभिन्न स्थानों के साथ राजस्थान की संस्कृति, प्रकृति, वन्यजीवन और जनजीवन से जुड़ी चुनिंदा तस्वीरों के साथ पेंटिंग्स भी प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा ने फीता खोलकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित तस्वीरों और पेंटिंग्स का अवलोकन किया तथा फोटोग्राफर्स और कलाकारों के कलाकौशल एवं रचनात्मक दृष्टिकोण की सराहना की। डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि

फोटोग्राफी केवल तस्वीर खींचने की कला नहीं, बल्कि किसी क्षण, भाव और कहानी को सहेजने का माध्यम है। ऐसी प्रदर्शनियां कलाकारों की रचनात्मकता को सामने लाने के साथ समाज को अलग-अलग दृष्टिकोणों से देखने का अवसर देती हैं। 'नजर' प्रदर्शनी में फोटोग्राफी और पेंटिंग का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है। उन्होंने विशेष रूप से प्रकृति और वन्यजीवन से जुड़ी तस्वीरों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी तस्वीरें लोगों को पर्यावरण और प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस मौके पर रिटायर्ड आईएएस पवन अरोड़ा ने कहा कि 'नजर' जैसी प्रदर्शनियां कला और फोटोग्राफी से जुड़े लोगों को अपनी रचनात्मकता साझा करने का बेहतरीन मंच देती हैं। तस्वीरों में केवल दृश्य नहीं, बल्कि फोटोग्राफर की सोच, संवेदना और उस क्षण को देखने का नजरिया भी दिखाई देता है। फोटोग्राफी के साथ पेंटिंग को शामिल करना प्रदर्शनी को और खास बनाता है। आयोजक रेणुका कुमावत, संजय कुमावत, अदिति अग्रवाल, डॉली अग्रवाल आदि ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रदर्शनी में प्रदर्शित तस्वीरों और पेंटिंग्स की विषयवस्तु की जानकारी दी।

वन्यजीवन की झलक ने मनमोहा

प्रदर्शनी में आईएएस डॉ. जितेंद्र सोनी, आईएफएस अरिजीत बनर्जी, पुलिस मुख्यालय के अतिरिक्त निदेशक (प्रचार) एवं वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर डॉ. कमलेश शर्मा की वाइल्डलाइफ सहित विभिन्न विषयों पर आधारित तस्वीरें भी प्रदर्शित की गई हैं। इनके अलावा जयपुर एवं राजस्थान के जाने-माने फोटो जर्नलिस्ट, वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर, प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सक, विद्यार्थी तथा पेंटिंग आर्टिस्ट भी अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के साथ शामिल हुए हैं। इस अवसर पर आईएफएस अरिजीत बनर्जी सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमी एवं फोटोग्राफी प्रेमी मौजूद रहे। अतिथियों ने प्रदर्शनी में शामिल तस्वीरों और पेंटिंग्स की सराहना करते हुए कलाकारों के प्रयासों की प्रशंसा की।

दिनभर लगा रहा दर्शकों का तांता :

प्रदर्शनी को देखने के लिए विशिष्ट-अतिविशिष्ट जनों के साथ शहरवासियों व कलाप्रेमियों का तांता लगा रहा। इस दौरान आईएएस शुचि त्यागी, पवन गोयल, अर्चना सुराणा, डॉ विवेक शर्मा,जे डी माहेश्वरी, दीपेंद्र राणा,सुधीर माथुर,अनूप श्रीवास्तव, आनंद पोद्दार,नरेंद्र रावत, अनुपमा सोनी आदि विशिष्ट जनों ने भी प्रदर्शनी देखी और सराहना की। आयोजक रेणुका कुमावत ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य फोटोग्राफर्स, फोटो जर्नलिस्ट और पेंटिंग आर्टिस्ट को एक साझा मंच उपलब्ध कराना तथा आमजन को कला और फोटोग्राफी की विविध विधाओं से रूबरू कराना है। प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क है। तीनों दिन दर्शकों के लिए विभिन्न गतिविधियों के साथ इनाम जीतने के अवसर भी उपलब्ध रहेंगे।

नगर पालिका चुनाव की तैयारी के लिए कांग्रेस जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी नगर निकाय चुनावों को लेकर भवानी मंडी नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एक अहम बैठक आयोजित कि गई। गत रात्रि को नगर कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में ब्लाक अध्यक्ष रोड सिंह परमार एवं नगर अध्यक्ष विनय आसतौलिया के नेतृत्व में मीटिंग आयोजित कि गई। शहर में होने वाले नगर पालिका चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं से वार्ड वाइस आवेदन लिए गए। नगर कांग्रेस कमेटी भवानी मंडी के फोर्मेट पर कार्यकर्ताओं के आवेदन लिए गए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को चुनाव सम्बंधित जानकारी देते हुए बताया कि सभी आवेदन कर्ता सर्वप्रथम प्रदेश

कांग्रेस कमेटी द्वारा जो आनलाईन प्रक्रिया है उस के तहत आवेदन करें। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा एक कयुआर कोड जारी किया गया है। सभी आवेदन कर्ता को इस की जानकारी होना जरूरी है। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष रोड़ सिंह परमार ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पूरे जोश के साथ चुनाव लडा जाएगा और मजबूती के साथ फिर से भवानी मंडी नगर पालिका में कांग्रेस का बोर्ड बनेगा। नगर कांग्रेस अध्यक्ष विनय आसतौलिया ने कार्यकर्ताओं से कार्यालय से आवेदन पत्र लेकर और प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जो क्यूआर कोड जारी किया है उस को आनलाईन भर कर उस कि प्रिंट निकाल कर कार्यालय में जमा करें जो भी कार्यकर्ता जिस वार्ड से लड़ना चाहता है वो उस वार्ड के अपने पच्चीस समर्थकों के नाम और मोबाइल नम्बर फार्म में लिखें। इस अवसर पर मीटिंग में पूर्व विधायक स्नेहलता आर्य, पूर्व चेयरमैन कैलाश बोहरा, प्रदेश कांग्रेस सचिव देवकीनंदन वर्मा, संगठन मंत्री कालु लाल सालेचा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता लोकेश गुप्ता, पूर्व सरपंच लक्ष्मण सिंह पंवार, आदि उपस्थित रहे

नगर निकाय चुनाव : ब्यावर सहित पांच निकायों में रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

स्मार्ट हलचल

अ ब्यावर। नगर निकाय चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर कमल राम मीना ने ब्यावर जिले के पांच नगरीय निकायों के लिए रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। यह नियुक्तियां राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 9 के तहत की गई हैं। आदेश के अनुसार नगर परिषद ब्यावर के लिए उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट दिव्यांश सिंह को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। सहायक रिटर्निंग अधिकारी के रूप में तहसीलदार ब्यावर, तहसीलदार टॉडगढ़, तहसीलदार (मू.अ.) कलेक्ट्रेट ब्यावर एवं नायब तहसीलदार सेन्दड़ा को नियुक्त किया गया है। नगरपालिका मसूदा में उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट दीपशिखा रिटर्निंग अधिकारी होंगी। इनके साथ तहसीलदार मसूदा एवं नायब तहसीलदार मसूदा को सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाया गया है। नगरपालिका विजयनगर के लिए उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट टॉडगढ़ सुमन मीणा को रिटर्निंग अधिकारी तथा तहसीलदार विजयनगर एवं तहसीलदार बदनौर को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह नगरपालिका जैतारण के लिए उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट मनोज कुमार मीणा को रिटर्निंग अधिकारी तथा तहसीलदार जैतारण एवं नायब तहसीलदार आनंदपुर कालू को सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाया गया है। नगरपालिका रायपुर में उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट ज्वाला सहाय मीणा को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। तहसीलदार स्यालपुर एवं नायब तहसीलदार रायपुर सहायक रिटर्निंग अधिकारी के रूप में चुनाव प्रक्रिया में जिम्मेदारी संभालेंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से जारी संशोधित आदेश में अधिकारियों को नगरीय निकाय अध्यक्षीय, उपाध्यक्षीय एवं वार्ड पार्षद निर्वाचन से संबंधित दायित्व सौंपे गए हैं।

कांग्रेस ने 60 वार्डों में नियुक्त किए वार्ड प्रभारी

तीन दिन में संभावित प्रत्याशियों की रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। आगामी नगर परिषद चुनाव-2026 को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यावर ने चुनावी तैयारियों को तेज कर दिया है। संगठन ने नगर परिषद के सभी 60 वार्डों के लिए 12 वार्ड प्रभारी समूह नियुक्त किए हैं। नियुक्तियां कांग्रेस जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी की अनुशंसा पर की गई हैं। वार्ड प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में योग्य, सक्रिय, जनाधार वाले एवं जनता के बीच स्वीकार्य संभावित कांग्रेस प्रत्याशियों की पहचान करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रभारी स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं आमजन से संवाद कर वार्ड की स्थिति और संभावित प्रत्याशियों की जनस्वीकार्यता का आकलन करेंगे। वार्ड 1 से 5 के लिए भंवरलाल चौधरी व रतनलाल चीता, 6 से 10 के लिए बृजवल्लभ पाराशर व रोहित बाजरी, 11 से 15 के लिए अय्यूब गौरी व शकील खिलजी, 16 से 20 के लिए किशन पाराशर व अश्वनी कुमार प्रजापति तथा 21 से 25 के लिए श्याम सुंदर शर्मा व मनोज शर्मा को प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार वार्ड 26 से 30 के लिए वृत्तंजय आर्य व प्रतीक पदावत, 31 से 35 के लिए चन्नू यादव व नवल मयंक, 36 से 40 के लिए गोपाल डाणी व रोहित गोयल, 41 से 45 के लिए एडवोकेट बालकिशन गोठवाल व सुनील कांटेड, 46 से 50 के लिए प्रवीण बड़ौला व अनिल शर्मा, 51 से 55 के लिए सतीश जागृत व लक्ष्मी नारायण वर्मा तथा 56 से 60 के लिए बशीर मोहम्मद व अब्दुल रज्जाक को जिम्मेदारी दी गई है। सभी वार्ड प्रभारियों को तीन दिवस के भीतर संभावित प्रत्याशियों की रिपोर्ट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट तैयार करते समय प्रत्याशी की जनस्वीकार्यता, सामाजिक सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा, कार्यकर्ताओं से समन्वय, क्षेत्र में जनाधार और चुनाव में कांग्रेस को मजबूती देने की क्षमता को आधार बनाया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने कहा कि प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया जमीनी फीडबैक और स्थानीय कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर की जाएगी। उन्होंने सभी नवनियुक्त प्रभारियों से निष्पक्षता और सक्रियता के साथ समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आह्वान किया।

रक्षाबंधन से पहले भीलवाड़ा के बाजार गुलजार, राखियों की चमक के बीच शक्कर की तेजी ने बढ़ाई मिठाई कारोबारियों की चिंता

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आते ही शहर के बाजारों में त्योहार की रौनक दिखाई देने लगी है। मुख्य बाजारों से लेकर कॉलोनियों तक राखियों के रंग-बिरंगे स्टॉल सज चुके हैं और खरीदारी के लिए ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। पारंपरिक राखियों से लेकर आधुनिक डिजाइन, ब्रेसलेट, एलईडी और म्यूजिक वाली राखियां इस बार बाजार में आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। बच्चों से लेकर युवाओं और महिलाओं तक, हर वर्ग के लिए अलग-अलग डिजाइन और कीमतों में राखियों की बड़ी रेंज उपलब्ध है।

कार्टून राखियों पर बच्चों की नजर

बच्चों को लुभाने के लिए बाजार में कार्टून कैरेक्टर वाली राखियों की भरमार है। छोटा भीम, मोटू-पतलू, स्पाइडरमैन और डोरेमोन जैसे लोकप्रिय किरदारों वाली राखियां बच्चों को खास तौर पर आकर्षित कर रही हैं। वहीं युवाओं में ब्रेसलेट स्टाइल, डिजाइनर और आकर्षक फैंसी राखियों का क्रेज देखने को मिल रहा है। एलईडी और म्यूजिक वाली राखियां भी बच्चों और युवाओं के बीच पसंद की जा रही हैं।

ईको-फ्रेंडली राखियों की भी दस्तक

इस बार बाजार में पारंपरिक और फैंसी राखियों के साथ पर्यावरण के अनुकूल राखियां भी ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। जूट, कपड़े और बीजों से तैयार की गई ईको-फ्रेंडली राखियां लोगों को अलग विकल्प दे रही हैं। त्योहार के बाद इन राखियों के जरिए पौधे उगाने जैसी अवधारणाएं भी ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

राखियों के साथ मिठाई बाजार पर भी नजर

रक्षाबंधन पर राखियों के साथ मिठाइयों की बिक्री भी तेजी पकड़ती है। भाई-बहन के इस पर्व पर मिठाई की मांग बढ़ने की उम्मीद के बीच शक्कर के बढ़ते भाव ने मिठाई कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। शक्कर की कीमतों में तेजी बनी रहने पर मिठाई बनाने की लागत बढ़ सकती है, जिसका सीधा असर मिठाइयों के दाम पर पड़ने की संभावना है। कारोबारियों का मानना है कि यदि कच्चे माल की लागत में लगातार बढ़ोतरी होती है तो त्योहार के दौरान मिठाइयां भी महंगी हो सकती हैं। ऐसे में इस बार ग्राहकों की नजर राखियों के साथ मिठाइयों की कीमतों पर भी रहेगी।

बाजार में बढ़ेगी ग्राहकों की आवाजाही:-

त्योहार में अभी समय बाकी होने के बावजूद बाजारों में खरीदारी का माहौल बनने लगा है। व्यापारियों को उम्मीद है कि रक्षाबंधन नजदीक आते ही बिक्री में और तेजी आएगी। दूर रहने वाले भाई-बहनों तक राखियां पहुंचाने के लिए डाक और कूरियर सेवाओं का सहारा भी लिया जा रहा है, जिससे राखियों की बिक्री को अतिरिक्त गति मिलने की उम्मीद है।

राखियों की प्रमुख वैरायटीः

कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां
एलईडी और म्यूजिक राखियां
ब्रेसलेट एवं डिजाइनर राखियां
पारंपरिक रेशमी धागों वाली राखियां
जूट, कपड़े और बीजों से बनी ईको-फ्रेंडली राखियां

रक्षाबंधन की तैयारियों के साथ भीलवाड़ा का बाजार एक ओर राखियों के रंग और आकर्षक डिजाइनों से जगमगा रहा है, वहीं दूसरी ओर शक्कर के बढ़ते भाव ने मिठाई कारोबारियों की लागत का गणित बिगाड़ने की आशंका पैदा कर दी है। अब त्योहार के अंतिम दिनों में बाजार की रफ्तार और मिठाइयों के दाम पर सभी की नजर रहेगी।

निकाय चुनाव में खलल डाला तो खैर नहीं!

नए डिप्टी नानालाल ने संभाली कमान, बोले-कानून तोड़ने वालों पर होगी सख्ती

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / निकाय चुनाव की सरगर्मियां तेज होते ही शाहपुरा पुलिस ने कानून-व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। शाहपुरा के नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक नानालाल ने साफ संकेत दिए हैं कि चुनावी माहौल में शांति भंग करने या कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के साथ किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि बेहतर पुलिसिंग, निष्पक्षता और आमजन की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता रहेगी। डिप्टी नानालाल ने कहा कि कार्यभार ग्रहण करने के बाद आईजी और एसपी स्तर पर क्राइम बैठक आयोजित कर निकाय चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के अनुरूप शाहपुरा पुलिस वृत में प्रभावी पुलिसिंग

सुनिश्चित करने के लिए पूरी गंभीरता से काम किया जाएगा। चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना और आचार संहिता की पालना कराना पुलिस की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रहेगा।

तीनों थानों का लिया जायजा

नवनियुक्त डिप्टी नानालाल ने बताया कि उन्होंने शाहपुरा वृत के अंतर्गत आने वाले तीनों थाना क्षेत्रोंकृशाहपुरा, फुलियाकलां और बनेड़ा का निरीक्षण कर लिया है। निरीक्षण के दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों से क्षेत्र की कानून व्यवस्था, अपराध की स्थिति और चुनाव को लेकर तैयारियों की जानकारी ली गई। उन्होंने कहा कि पुलिस की मौजूदगी केवल घटना होने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अपराध की रोकथाम और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था पैदा करने वालों पर पुलिस की नजर रहेगी।

अवैध गतिविधि दिखे तो पुलिस को बताएं--

डिप्टी नानालाल ने शाहपुरा वृत क्षेत्र के आमजन से कानून का पालन करने की अपील की है। उन्होंने विशेष रूप से यातायात नियमों की पालना करने और वाहन चलाते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि क्षेत्र में कहीं भी कोई अवैध गतिविधि संचालित होती दिखाई दे तो आमजन इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में पुलिस का सहयोग करें।

आचार संहिता की पालना पर विशेष जोर

निकाय चुनाव को देखते हुए पुलिस प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था के साथ-साथ चुनाव आचार संहिता की पालना सुनिश्चित कराने की भी बड़ी जिम्मेदारी है। डिप्टी नानालाल ने कहा कि शाहपुरा वृत में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने संकेत दिया कि चुनाव के दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा कानून हाथ में लेने, माहौल बिगाड़ने या आचार संहिता का उल्लंघन करने का प्रयास किया गया तो पुलिस नियमानुसार कार्रवाई करेगी। पुलिस का प्रयास रहेगा कि आमजन बिना किसी भय के मतदान प्रक्रिया में भाग ले सकें और चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हों। डिप्टी नानालाल ने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। ऐसे में पुलिस के साथ सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल देने की अपील की गई है। निकाय चुनाव से पहले नए डिप्टी के सख्त तेवरों से पुलिस महकमे में सक्रियता बढ़ने के साथ ही असामाजिक तत्वों में भी खलबली मचने के संकेत हैं।

नगर निकाय चुनाव में आप उतारेगी प्रत्याशी

ब्यावर जिले में चुनावी तैयारियां तेज, वार्ड स्तर पर प्रत्याशी चयन की कवायद

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर । आगामी नगर परिषद एवं नगर पालिका चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को मंगल टावर, चांग गेट में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी पदाधिकारियों ने जिले के विभिन्न नगरीय निकाय क्षेत्रों में प्रत्याशी उतारने की घोषणा की। प्रदेश चुनाव समिति सदस्य खींयाराम सिंगारिया ने कहा कि पार्टी चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। शहरों की जनसमस्याएं, सफाई व्यवस्था, सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट और विकास कार्य प्रमुख चुनावी मुद्दे रहेंगे। जिलाध्यक्ष शौकीन काठात ने बताया कि पार्टी जमीनी स्तर पर सक्रिय, ईमानदार और जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाले कार्यकर्ताओं को प्रत्याशी के रूप में प्राथमिकता देगी। वार्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं एवं आमजन से संवाद कर संभावित प्रत्याशियों के नामों पर विचार किया जा रहा है। प्रदेश चुनाव समिति सदस्य एडवोकेट नीलेश बुरड़

ने पार्टी की ओर से अब तक उठाए गए जनहित के मुद्दों की जानकारी दी। उन्होंने 'आप की जन अदालत', स्मार्ट मीटर, घर-घर कचरा संग्रहण, खराब सड़कों, सड़क पर सड़क निर्माण, दिनभर जलने वाली स्ट्रीट लाइटों तथा राशन घोटाले सहित विभिन्न मुद्दों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन्हीं जनहित के मुद्दों को लेकर पार्टी चुनाव में जनता के बीच जाएगी। पार्टी पदाधिकारियों ने संगठन को बूथ एवं वार्ड स्तर पर मजबूत करने तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। प्रेस वार्ता में ब्यावर के अलावा जैतारण, मसूदा, सारोठ, बलाडा, श्यामगढ़, नाड़ी और झुंझारों का बाड़िया सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। इस दौरान शहर अध्यक्ष धीरज जैन, एससी विंग जिलाध्यक्ष नारायण अठवाल, चिकित्सा विंग जिलाध्यक्ष इकबाल काठात, अमजद काठात, लीलाधर दाधीच, रफीक काठात, यूथ विंग से भीमा काठात, शौकत पठान, रमेश बावरी, रामस्वरूप बावरी, सुरेश पंडित, भंवरलाल जावा, बाबूलाल, संतोष, गोपाल, नेपाल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आसमान ने रूठकर छोड़ा, अब खेतों में जंगली सूअरों ने मचाई तबाही!

फसल उजड़ी तो किसानों की उम्मीदों पर फिरा पानी

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। मूलचन्द पेसवानी एक तरफ आसमान से बारिश की बेरुखी ने शाहपुरा तहसील के बोरड़ा बावरियान पंचायत क्षेत्र के काश्तकारों की चिंता बढ़ा रखी है, वहीं दूसरी ओर अब जंगली सूअरों के आतंक ने किसानों की बची-खुची उम्मीदों पर भी पानी फेरना शुरू कर दिया है। खेतों में तैयार खड़ी फसल पर जंगली सूअरों के झुंड धावा बोल रहे हैं और देखते ही देखते मेहनत से तैयार की गई फसल को तहस-नहस कर रहे हैं। खेतों में फसल के बजाय बर्बादी के निशान देखकर किसानों के चेहरे पर चिंता साफ दिखाई दे रही है। हालात यह हैं कि कई किसानों को लाखों रुपए के नुकसान की आशंका है। किसान दिन-रात खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं, लेकिन झुंड में आने वाले जंगली सूअरों के सामने उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी साबित हो रही हैं। एक ओर बारिश की कमी और दूसरी ओर फसल पर जंगली जानवरों का हमलाकृकिसानों के लिए यह दोहरी मार किसी मुसीबत से कम नहीं है।

20 बीघा की मक्का फसल चट कर गए जंगली सूअर-

बोरड़ा बावरियान निवासी रजाक पठान ने बताया कि उन्होंने करीब 20 बीघा भूमि में मक्का की फसल बोई थी। इस बार फसल अच्छी दिखाई दे रही थी और किसान को उम्मीद थी कि मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। लेकिन पिछले कुछ दिनों से जंगली सूअरों के झुंड लगातार खेतों में पहुंच रहे हैं। रजाक पठान के अनुसार जंगली सूअरों ने खेत में घुसकर खड़ी मक्का की फसल को बुरी तरह नष्ट कर दिया। जिस खेत में कुछ समय पहले तक लहलहाती फसल दिखाई दे रही थी, वहां अब फसल बर्बाद नजर आ रही है। उन्होंने बताया कि इससे उन्हें काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। ऊपर से पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण फसल पहले ही संकट में थी और अब जंगली सूअरों ने रही-सही उम्मीद भी खत्म कर दी।

गांव में रात की नींद हराम, खेतों की रखवाली बनी मजबूरी

जंगली सूअरों के आतंक से केवल एक किसान ही नहीं, बल्कि पूरा गांव परेशान है। गांव के उपसरपंच जगदीश जाट, सुखदेव गुर्जर, भेरूलाल बेशकी, सरदार खां पठान सहित कई काश्तकार इस समस्या से जूझ रहे हैं। किसानों का कहना है कि जंगली सूअर समूह में खेतों में पहुंचते हैं। रात के समय उनकी संख्या अधिक होने से उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। किसान अपने स्तर पर खेतों की रखवाली कर रहे हैं और अलग-अलग तरीके अपनाकर सूअरों को भगाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई कारगर उपाय सामने नहीं आया है। किसानों ने बताया कि रात में खेतों की निगरानी करना उनकी मजबूरी बन गई है। कई बार किसान पूरी रात जागकर फसल बचाने का प्रयास करते हैं, लेकिन कुछ समय के लिए नजर हटते ही जंगली सूअरों का झुंड खेत में घुस जाता है।

किसानों का सवाल फसल बचाए कौन?

किसानों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि फसल बर्बाद होने के बाद आखिर उसकी भरपाई कैसे होगी। खेती में पहले ही लागत लगातार बढ़ रही है। बीज, खाद, कीटनाशक, जुताई और मजदूरी पर खर्च करने के बाद किसान प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर रहता है। ऐसे में बारिश की कमी के बाद जंगली सूअरों से फसल को नुकसान होना किसान के लिए आर्थिक संकट को और गहरा कर रहा है। किसानों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से क्षेत्र में फसलों के नुकसान का सर्वे करवाए। कृषि एवं राजस्व विभाग की टीमों को गांव में भेजकर खेत-खेत जाकर जिंसवार फसल खराबे का आकलन कराया जाए, ताकि प्रभावित किसानों को नियमानुसार समय पर राहत और मुआवजा मिल सके।

राजनीतिक सवाल भी गरमाया चुनाव में किसान पूछेंगे हिसाब

शाहपुरा क्षेत्र में निकाय चुनाव का माहौल बनने के बीच किसानों की यह परेशानी राजनीतिक रूप से भी अहम मानी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती और किसानों से जुड़े मुद्दे चुनावी चर्चा का हिस्सा बनते रहे हैं। ऐसे में बोरड़ा बावरियान के किसानों की फसल का नुकसान भी आने वाले दिनों में राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। किसानों का कहना है कि चुनाव के समय नेता और जनप्रतिनिधि गांव-गांव पहुंचकर समस्याएं सुनते हैं, लेकिन चुनाव के बाद वही समस्याएं सरकारी फाइलों में दब जाती हैं। अब किसान चाहते हैं कि इस बार सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन और राहत की ठोस कार्रवाई हो।

ग्रामीणों का कहना है कि जंगली सूअरों के आतंक का स्थायी समाधान भी जरूरी है। केवल नुकसान का सर्वे कर मुआवजा देना समस्या का स्थायी इलाज नहीं है। वन्यजीवों से फसलों को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए संबंधित विभागों को ठोस योजना बनानी होगी।

प्रतापपुरा में भी पहले उठ चुकी है आवाज

किसानों ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है। इससे पहले भी प्रतापपुरा क्षेत्र के काश्तकारों ने प्रशासन को जंगली सूअरों के आतंक को लेकर आगाह किया था। किसानों ने अपनी परेशानी प्रशासन तक पहुंचाई, लेकिन उनका आरोप है कि अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में किसानों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने समस्या को गंभीरता से लिया होता तो शायद नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। अब हालात बिगड़ने के बाद किसान प्रशासन की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं।

बारिश की मार के बीच सूअरों का हमला, किसान बोले अब सरकार ही सहारा

बोरड़ा बावरियान क्षेत्र के किसानों के लिए इस समय संकट की तस्वीर साफ है। बारिश की कमी ने खेतों की नमी और फसल की उम्मीदों को प्रभावित किया, वहीं जंगली सूअरों ने खड़ी फसल को निशाना बनाकर आर्थिक नुकसान बढ़ा दिया। किसान एक तरफ आसमान की ओर देखकर बारिश की उम्मीद कर रहे हैं तो दूसरी तरफ रात-दिन खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं। अब किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि कृषि और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर तत्काल सर्वे कराया जाए, फसल खराबे की जिंसवार रिपोर्ट तैयार की जाए और पात्र किसानों को नियमानुसार राहत दिलाई जाए। साथ ही जंगली सूअरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए स्थायी समाधान तलाशा जाए। किसानों का साफ कहना है 'बारिश रूठी तो सह लिया, लेकिन खेत में खड़ी फसल भी नहीं बची तो किसान आखिर जाए कहां?' अब देखना यह है कि किसानों की इस दोहरी मार पर प्रशासन कितनी जल्दी हरकत में आता है और चुनावी मौसम में जनप्रतिनिधि इस मुद्दे को कितना गंभीरता से उठाते हैं।

दशनाम गोस्वामी समाज ने नवागत विकास अधिकारी जैन का किया अभिनन्दन

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा।आमेट पंचायत समिति में दशनाम गोस्वामी समाज देवगढ़ मंडल की ओर से नवनियुक्त विकास अधिकारी राजेश कुमार जैन का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों ने माला पहनाकर तथा साफा बांधकर उनका स्वागत किया। समाज अध्यक्ष शिव गिरी के नेतृत्व में कैलाश गिरी, रामेश्वर पुरी, कमलेश गिरी, किशन गिरी, भंवर गिरी, पूरण गिरी, नारायण लाल सहित समाज के प्रतिनिधियों ने विकास अधिकारी जैन का अभिनंदन किया। समारोह के दौरान क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, समाज से जुड़ी समस्याओं तथा आगामी विकास योजनाओं को लेकर चर्चा की गई। विकास अधिकारी जैन ने समाज के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए क्षेत्र के विकास में सहयोग की सराहना की तथा नियमानुसार हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। समाज पदाधिकारियों ने कहा कि विकास अधिकारी के सम्मान से समाज में उत्साह का माहौल है। ऐसे आयोजनों से समाज और प्रशासन के बीच संवाद एवं समन्वय को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में समाज के अनेक सदस्य एवं वरिष्ठजन मौजूद रहे। अंत में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए आपसी सहयोग से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

भूदान भूमि का गलत नामांतरण, पटवारी बर्खास्त, तत्कालीन ऑफिस कानूनगो को अनिवार्य सेवानिवृत्ति

तत्कालीन कार्यवाहक नायब तहसीलदार की एक तिहाई पेंशन रोकी

जांच में पद के दुरुपयोग और नियमों की अनदेखी के आरोप प्रमाणित

जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल ने की कठोर कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

उदयपुर भूदान यज्ञ बोर्ड की भूमि का नियमों के विपरीत निजी व्यक्ति के पक्ष में नामांतरण करने तथा लंबित न्यायिक विवाद की अनदेखी करने के मामले में उदयपुर जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौरव अग्रवाल ने कड़ी कार्रवाई की है। मामले की विभागीय जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर पटवारी पटवार मंडल सनवाड़ देवेंद्र प्रजापत को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं तत्कालीन ऑफिस कानूनगो को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई। साथ ही तत्कालीन कार्यवाहक नायब तहसीलदार दयाराम सुथार की एक तिहाई पेंशन रोकने के लिए आदेश दिए हैं।

यह था मामला

प्रकरण ग्राम सनवाड़, तहसील मावली की भूदान भूमि से जुड़ा है। शिकायतकर्ता श्रीमती शारदा सगर ने आरोप लगाया था कि पूर्व खसरा संख्या 2323/02, रकबा 3 बीघा भूमि वर्ष 1992 में उनके पति स्व. नारायणलाल के नाम नामांतरित हुई थी। बाद में भूदान यज्ञ बोर्ड द्वारा वर्ष 2009 में नामांतरण निरस्त कर भूमि को भूदान बोर्ड के नाम दर्ज किया गया। इस कार्रवाई के विरुद्ध राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में रिट याचिका संख्या 1096/2011 भी विचाराधीन रही। प्रकरण विचाराधीन रहते ही अगस्त 2020 में प्रार्थिया के पति नारायणलाल का स्वर्गवास हो गया। इससे उक्त रिट में स्व. नारायणलाल के विधिक वारिसान पक्षकार बने। इसके बाद भूदान यज्ञ बोर्ड ने 29 सितंबर 2023 को उक्त भूमि पूरणमल पुत्र बाबूलाल पहाडिया के पक्ष में आवंटित कर दी। प्रार्थिया ने राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए उक्त भूमि का नामांतरण नहीं खोलने का निवेदन किया इसके बावजूद पटवारी देवेंद्र प्रजापत ने 1 दिसंबर 2023 को ई-धरती सॉफ्टवेयर पर नामांतरण संख्या 6545 ऑनलाइन दर्ज किया। तत्कालीन भूअभिलेख निरीक्षक तथा कार्यवाहक नायब तहसीलदार दयाराम सुथार ने 4 दिसंबर 2023 को नामांतरण स्वीकार कर लिया। खास बात यह रही कि उस समय भूमि से संबंधित रिट याचिका उच्च न्यायालय में विचाराधीन थी। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि पटवारी, तत्कालीन ऑफिस कानूनगो एवं कार्यवाहक भू अभिलेख निरीक्षक सनवाड़ तथा तत्कालीन कार्यवाहक नायब तहसीलदार ने नामांतरण दर्ज करने से पहले प्रकरण की समुचित जांच नहीं की और संबंधित नियमों एवं उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी की। साथ ही, गैर-आवंटी को खातेदारी अधिकार देने, लंबित न्यायिक विवाद की उपेक्षा करने तथा भूदान यज्ञ बोर्ड की सार्वजनिक भूमि को नियमों के विरुद्ध निजी व्यक्ति के पक्ष में हस्तांतरित करने की साजिश में भूमिका निभाने के आरोप भी जांच में प्रमाणित हुए। शिकायत के बाद पटवारी देवेंद्र प्रजापत को 5 जनवरी 2024 को निलंबित कर मुख्यालय तहसील कानोड़ किया गया था। बाद में 3 जुलाई 2024 को बहाल कर रिसोर्स पर्सन तहसील भींडर लगाया गया। मामले की विस्तृत जांच अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) के माध्यम से कराई गई। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में आरोपों को गंभीर प्रकृति का मानते हुए कठोर दंड की अनुशंसा की।

यह की कार्यवाही

जिला कलक्टर ने सभी तथ्यों, जांच रिपोर्ट और विभागीय कार्यवाही के आधार पर राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 14(7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 19 अगस्त 2026 को देवेंद्र प्रजापत को राजकीय सेवा से बर्खास्त करने का आदेश जारी किया।आदेश में जिला कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कर्मचारी पर लगाए गए आरोपों में उसकी भूमिका पूरी तरह प्रमाणित हो चुकी है और मामले में उसके द्वारा पद का दुरुपयोग तथा कर्तव्यों के प्रति गंभीर लापरवाही सामने आई है। उल्लेखनीय है कि पटवारी देवेंद्र प्रजापत मूलतः चित्तौड़गढ़ जिलांतर्गत आकोला भोपालसागर का निवासी है तथा उसकी राज्य सेवा में प्रथम नियुक्ति 8 जनवरी 2014 को हुई थी। इसी प्रकार जिला कलक्टर ने राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 14(4) के तहत तत्कालीन नायब तहसीलदार दयाराम सुथार को देय पेंशन राशि में से एक तिहाई भाग स्थायी रूप से रोकने के आदेश दिए। साथ ही तत्कालीन ऑफिस क़ानूनगो एवं अतिरिक्त कार्यभार भू-अभिलेख निरीक्षक सनवाड़ , हाल भू-अभिलेख निरीक्षक तहसील वल्लभनगर जगदीश चन्द्र रेबारी को शुक्रवार को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई।

चुनावी पम्पलेट-पोस्टर पर प्रशासन की पैनी नजर, नियम तोड़े तो मुद्रणालय पर होगी कार्रवाई...

नगरीय निकाय चुनाव-2026 को लेकर जिला मजिस्ट्रेट के सख्त निर्देश; बिना नाम-पते के प्रचार सामग्री छापना प्रतिबंधित, तीन दिन में देना होगा पूरा हिसाब

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने चुनावी प्रचार सामग्री के मुद्रण पर शिकंजा कस दिया है। जिला मजिस्ट्रेट जसमीत सिंह संधू ने जिले के सभी मुद्रणालय संचालकों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127-क एवं निर्वाचन आयोग के निर्देशों की सख्ती से पालना करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों, प्रत्याशियों, समर्थकों और विभिन्न संगठनों की

ओर से बड़ी संख्या में पम्पलेट, पोस्टर, हैंडबिल, प्लेकार्ड, विज्ञापन एवं अन्य प्रचार सामग्री छपवाए जाने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने मुद्रणालयों के लिए स्पष्ट नियम तय किए हैं।

हर पोस्टर-पम्पलेट पर छपेगा मुद्रक और प्रकाशक का नाम-पता

अब चुनावी प्रचार सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पूरा पता स्पष्ट रूप से अंकित करना अनिवार्य होगा। बिना मुद्रक एवं प्रकाशक के नाम-पते वाली चुनावी सामग्री का मुद्रण नहीं किया जा सकेगा। अर्थात चुनाव प्रचार के नाम पर गुमनाम पम्पलेट या पोस्टर छापकर वितरित करने वालों पर भी प्रशासन की नजर रहेगी।

ऑर्डर लेने से पहले लेनी होगी लिखित घोषणा

मुद्रणालय संचालक किसी भी चुनावी सामग्री का ऑर्डर सीधे स्वीकार नहीं कर सकेंगे। मुद्रण शुरू करने से पहले संबंधित प्रकाशक से निर्धारित प्रारूप में घोषणा लेना अनिवार्य होगा। यह घोषणा प्रकाशक के हस्ताक्षर के साथ ऐसे दो व्यक्तियों से सत्यापित होनी चाहिए, जो प्रकाशक को व्यक्तिगत रूप से जानते हों।

तीन दिन में प्रशासन को देना होगा पूरा ब्यौरा

निर्वाचन सामग्री छापने के बाद मुद्रणालय संचालक की जिम्मेदारी भी तय की गई है। प्रत्येक चुनावी सामग्री के मुद्रण के तीन दिवस के भीतर जिला मजिस्ट्रेट को निर्धारित घोषणा पत्र, मुद्रित सामग्री की चार प्रतियां तथा मुद्रित दस्तावेजों की संख्या और इसके लिए ली गई कीमत से संबंधित निर्धारित विवरण उपलब्ध कराना होगा।

खास बात यह है कि हर पम्पलेट, पोस्टर या अन्य चुनावी सामग्री का विवरण अलग-अलग देना होगा।

नियम तोड़े तो कानूनी कार्रवाई तय

प्रशासन ने साफ कर दिया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 127-क अथवा निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित मुद्रणालय के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रासंगिक नियमों के तहत मुद्रणालय के अनुज्ञा पत्र को लेकर भी कार्रवाई संभव है।

9 और 11 सितंबर को मतदान, 14 को मतगणना

राज्य निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 में 9 एवं 11 सितंबर 2026 को मतदान तथा 14 सितंबर को मतगणना होगी। चुनावी प्रक्रिया के मद्देनजर प्रशासन ने प्रचार सामग्री की छपाई को लेकर अभी से नियमों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का संदेश साफ है–चुनावी प्रचार की सामग्री छपेगी तो नियमों के दायरे में ही छपेगी। गुमनाम पोस्टर-पम्पलेट से लेकर मुद्रण का हिसाब छिपाने तक, हर स्तर पर नियमों की अनदेखी मुद्रणालय संचालकों को भारी पड़ सकती है।

'लोकतंत्र की पाती' से मतदान का संदेश, छात्राओं ने लिया शत प्रतिशत मतदान का संकल्प

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। नगर पालिका आम चुनाव-2026 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं स्वीप प्रकोष्ठ के निर्देशन में पीएमश्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, छावनी रोड में शुक्रवार को 'लोकतंत्र की पाती एवं वोटर की मनुहार' विषय पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वीप प्रकोष्ठ के अधिकारी कपिल मुख्य अतिथि रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्य ने अध्यक्षता की। इस दौरान व्याख्याता लक्ष्मी नारायण माली, संतोष चौहान एवं यशपाल शर्मा सहित शिक्षकों ने छात्राओं को मतदान के अधिकार, मतदाता की भूमिका तथा निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान के महत्व की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का अधिकार होने के साथ लोकतंत्र के प्रति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। छात्राओं से अपने परिवार, पड़ोस और समाज में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया। विशेष रूप से युवा, महिला एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में पारी प्रभारी बहादुर सिंह, व्याख्याता राजकुमारी भंडारी, पद्मिनी राठौड़, विमला चौहान सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन ईएलसी प्रभारी कुन्दन मल वर्मा ने किया।

शत-प्रतिशत मतदान की शपथ

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थितजनों ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने और मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। इस दौरान 'रिश्वत न बहाना होगा, हर मतदान केन्द्र जाना होगा। एक-एक वोट का सम्मान करेंगे, शत-प्रतिशत मतदान करेंगे' का संदेश देते हुए मतदान की शपथ ली गई।

48 घंटे में 134 अभियुक्त गिरफ्तार, 299 से अधिक ठिकानों पर पुलिस की दबिश

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। वांछित अपराधियों की धरपकड़ एवं संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ब्यावर जिले में पुलिस ने दो दिवसीय विशेष धरपकड़ अभियान चलाया। अजमेर रेंज पुलिस महानिरीक्षक डॉ. रवि सभरवाल एवं जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने 134 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। अभियान का सुपरविजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया एवं जिले के चारों वृत्ताधिकारियों ने किया। सभी थाना अधिकारियों के नेतृत्व में करीब 63 पुलिस टीमों का गठन कर जिले में 299 से अधिक स्थानों पर दबिश दी गई। पुलिस ने अभियान के दौरान अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब, जुआ सहित फरार एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान एनडीपीएस के 2, आबकारी के 3 और जुआ का 1 प्रकरण दर्ज किया गया। गिरफ्तार 134 अभियुक्तों में 17 जघन्य अपराधों में, 51 ईनामी एवं स्थाई वारंटी, 13 सामान्य प्रकरणों में तथा 53 अभियुक्त धारा 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किए गए। पुलिस की इस कार्रवाई से वांछित एवं फरार अपराधियों में हड़कंप मचा रहा।

इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को किया सम्मानित

स्मार्ट हलचल

80 वे स्वतंत्रता दिवस समारोह का जिला स्तरीय आयोजन 15 अगस्त को चौगान स्टेडियम जयपुर में हजारों लोगों के सामने, मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री माननीय कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जी की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर रोड सेफ्टी अवेयरनेस एवं सोशल एक्टिविटीज वर्क में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रादेशिक परिवहन कार्यालय जयपुर द्वितीय विद्याधर नगर में पद स्थापित इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को माननीय मुख्य अतिथि उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राजस्थान सरकार श्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जी एवं जिला कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट माननीय श्री संदेश नायक जी के द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माननीय सांसद जयपुर शहर श्रीमती मंजू शर्मा जी व विधायक माननीय आचार्य श्री बालमुकुंद आचार्य जी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों एवं गवर्नमेंट इंस्टीट्यूशन में सैकड़ो स्टूडेंट व नागरिकों को रोड सेफ्टी अवेयरनेस के लिए प्रेरित किया है। पूर्व में भी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को इन्हीं उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्टेट एवं नेशनल लेवल पर सम्मानित किया जा चुका है।

5 हजार की रिश्वत लेने वाले तत्कालीन पटवारी को एक साल की जेल-25 हजार रुपए जुर्माना

स्मार्ट हलचल

शिवराज बारवाल मीना टोंक। करीब 13 साल पुराने रिश्वत प्रकरण में टोंक की विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम ने तत्कालीन हल्का पटवारी लड्डू लाल धाकड़ को दोषी करार देते हुए एक वर्ष के साधारण कारावास और 25 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

2013 में एसीबी ने किया था ट्रैप

मामला वर्ष 2013 का है, 4 जनवरी 2013 को समरावता निवासी परिवादी मौजीराम गुर्जर ने एसीबी टोंक में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पटवारी लड्डू लाल धाकड़ अतिक्रमण संबंधी मामले में जेल भेजने की धमकी देकर 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी टोंक ने 4 जनवरी 2013 को ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान तत्कालीन पटवारी लड्डू लाल धाकड़ को 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया था।

करीब 13 साल बाद आया फैसला

एसीबी द्वारा मामले की जांच पूरी करने के बाद 3 दिसंबर 2014 को न्यायालय में आरोप-पत्र पेश किया गया। इसके बाद लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के पश्चात विशेष न्यायालय ने सुनवाई पूरी करते हुए आरोपी तत्कालीन पटवारी को दोषी माना। न्यायालय ने दोषी पटवारी लड्डू लाल धाकड़ को एक वर्ष के साधारण कारावास तथा 25 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश

करीब 13 वर्ष पुराने मामले में आए इस फैसले को भ्रष्टाचार के मामलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए सरकारी कर्मचारी के खिलाफ लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद दोषसिद्धि हुई है। मामले में राज्य सरकार की ओर से सहायक निदेशक अभियोजन ने पैरवी की।

खोहल्या गांव में अवैध बजरी परिवहन पर बनेठा थाना पुलिस की कार्रवाई-15 टन बजरी जब्त

तीन जनों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज,ट्रैक्टर-ट्रालियों से बीच सड़क पर बजरी खाली कर भागे माफिया

स्मार्ट हलचल

टोंक। उनियारा सर्किल क्षेत्र अन्तर्गत बनेठा थाना इलाका के खोहल्या गांव में मंदिर के पास अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां खड़ी होने की पुख्ता सूचना पर बनेठा थाना पुलिस ने पीछा कर अवैध बजरी परिवहन के विरूद्ध कार्रवाई की। बनेठा थाना पुलिस के अनुसार मौके से सड़क मार्ग पर खाली की करीब 15 टन अवैध बजरी जब्त की गई है। मामले में पुलिस ने तीन बजरी माफियाओं के विरूद्ध धारा 303(2) बीएनएस एवं धारा 4/21 एमएमडीआर एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। बनेठा थाना पुलिस के उप निरीक्षक (एसआई) जसवन्त सिंह शेखावत की ओर से मंगलवार, 18 अगस्त को दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट के अनुसार पुलिस को सोमवार की

रात्रि को करीब 10:16 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम खोहल्या में मंदिर के पास चार-पांच ट्रैक्टर-ट्रॉलियां अवैध बजरी से भरी खड़ी हैं और उन्हें परिवहन के लिए ले जाने की तैयारी है। वीडियो के आधार पर सूचना को विश्वसनीय मानते हुए पुलिस जाप्ता सरकारी वाहन से मौके के लिए रवाना हुआ। करीब रात्रि 10:35 बजे पुलिस टीम ग्राम खोहल्या गांव स्थित मंदिर के पास पहुंची, जहां ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मौके पर नहीं मिलीं, लेकिन सड़क पर उनके टायरों के निशान पाए गए। पुलिस ने इन निशानों को देखकर पीछा किया तो गांव की सरहद पर तीन से चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां दिखाई दी। पुलिस वाहन और जाप्ते को देखकर बजरी के ट्रैक्टर ट्रॉली चालक कथित रूप से तेज गति से भागने लगे। एफआईआर में आरोप है कि ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के चालकों ने रास्ते में बजरी गिराकर मार्ग को अवरुद्ध करने का प्रयास किया तथा कच्चे-संकरे रास्ते की ओर भाग गए। रात का समय और रास्ते की स्थिति का फायदा उठाकर चालक मौके से निकलने में सफल रहे।

तीन व्यक्तियों के नाम पूछताछ में सामने आने का उल्लेख

पुलिस द्वारा मौके के आसपास के लोगों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के चालकों की पहचान के संबंध में पूछताछ की गई। प्राथमिकी में उल्लेख है कि रिकॉर्ड पर स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने के बावजूद पूछताछ के दौरान बजरी माफिया रामकेश मीणा निवासी सहादतनगर थाना अलीगढ़, घोड़ा मीणा तथा विकास मीणा निवासी मीनो की झोपड़िया थाना बनेठा के नाम सामने आने की बात कही गई है। हालांकि, इन व्यक्तियों की भूमिका की पुष्टि पुलिस जांच का विषय है और एफआईआर में गिरफ्तारी का उल्लेख नहीं है।

15 टन बजरी जब्त, बनेठा थाने में रखवाई

पुलिस के अनुसार मौके पर रास्ते में गिराई गई करीब 15 टन अवैध बजरी को साक्ष्य के तौर पर जब्त किया गया। जब्ती की कार्रवाई के दौरान मौके की वीडियोग्राफी भी की गई। बाद में जब्त बजरी को निजी वाहन से पुलिस थाना बनेठा लाकर थाना परिसर में खाली करवाया गया। पुलिस ने प्राथमिकी में अवैध बजरी के खनन एवं परिवहन को धारा 303(2) बीएनएस तथा धारा 4/21 एमएमडीआर एक्ट के तहत अपराध बताया है। राजस्थान में अवैध बजरी/खनिज परिवहन से जुड़े मामलों में इन प्रावधानों के तहत कार्रवाई और वाहनों की जब्ती के मामले सामने आते रहे हैं।

एएसआई भंवरलाल मीणा को सौंपी मामले की जांच

बनेठा थाना पुलिस द्वारा एफआईआर प्रकरण दर्ज कर जांच के लिए सहायक उपनिरीक्षक भंवरलाल मीणा को अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है। अब जांच में पुलिस द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के वास्तविक मालिकों, चालकों, बजरी के स्रोत, परिवहन की अनुमति/रवन्ना तथा मौके से फरार हुए व्यक्तियों की भूमिका की पुष्टि की जाएगी। प्राथमिकी में दर्ज आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा समेत विभिन्न मांगों को लेकर समता आंदोलन समिति ने सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

कोटा। आरक्षण व्यवस्था, एससी-एसटी एक्ट और यूजीसी से जुड़े प्रावधानों में बदलाव की मांग को लेकर समता आंदोलन समिति, कोटा की ओर से शुक्रवार को प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। समिति ने नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 अगस्त को आयोजित आरक्षण हटाओ आंदोलन के समर्थन में यह सांकेतिक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में समिति से जुड़े करीब 150 लोगों ने शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई।समता आंदोलन समिति के संभागीय अध्यक्ष अनिल शर्मा के नेतृत्व में एक दल दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन में शामिल होने के लिए रवाना हुआ। समिति पदाधिकारियों के अनुसार दल वहां पहुंचकर आंदोलन को समर्थन देगा। समता आंदोलन समिति के जिलाध्यक्ष गोपाल लाल गर्ग, संयोजक राजेंद्र गौतम, शहर अध्यक्ष शकरलाल सिंघल तथा एससी प्रकोष्ठ अध्यक्ष छीतरलाल की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में जातिगत आरक्षण की वर्तमान उपयोगिता, इसके उपयोगिता तथा सामाजिक प्रभावों की व्यापक समीक्षा की मांग की गई। समिति ने कहा कि आरक्षण व्यवस्था के कारण समाज में जातिगत अलगाव और विद्वेष की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है, इसलिए इसकी समीक्षा आवश्यक है। संयोजक राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि ज्ञापन में एससी, एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान लागू करने तथा एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटा लागू करने की मांग की गई, ताकि आरक्षण का लाभ जरूरतमंद वर्ग तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। समिति ने यूजीसी से संबंधित प्रावधानों को निरस्त करने की मांग करते हुए कहा कि छात्र वर्ग में किसी भी प्रकार का अनावश्यक भेदभाव नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही एससी-एसटी अत्याचार निवारण कानून के तहत गिरफ्तारी से पहले उचित जांच और कानूनी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की मांग भी ज्ञापन में रखी गई।

विधायक राजेंद्र मीणा चुनाव प्रभारीयो के सानिध्य में नगर पालिका महुआ मंडावर के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आज शनिवार को

स्मार्ट हलचल

महुवा। विधायक राजेंद्र मीणा व चुनावप्रभारीयो के सानिध्य मेंनगरीय निकाय चुनाव 2026 को लेकरभारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र महुवा केसमस्त भाजपा पदाधिकारी नगरपालिका क्षेत्र महुवा एवं नगरपालिका मंडावर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता की चुनाव संगठनात्मक बैठक आज शनिवार प्रातः 10:30 बजे महुवा के राधा रानी मैरिज गार्डन जयपुर रोड में 2:00 मंडावर कस्बे के पंचायती धर्मशालामें रखी गई है। इस भाजपा की संगठनात्मक बैठक में नगर पालिका के चुनावो को लेकर चर्चा कर महुवा व मंडावर नगरपालिकाओं में होने वाले पार्षद चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से आवेदन लिये जाएँगे। इस बैठक में प्रदेश भाजपा नेतृत्व के द्वारा तय किये गये नगरपालिकाओं के प्रभारी के रूप में नगरपालिका महुवा के प्रभारी जगमोहन भगेल एवं नगरपालिका मंडावर के प्रभारी धर्मेंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे। इसी दिन दोनों नगरपालिकाओं के चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन भी किया जायेगा। इन दोनों स्थानो पर आयोजित बैठको में बीजेपी मंडल महुवा एवं मंडावर के सभी भाजपा पदाधिकारी सहित बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता एवं भाजपा से टिकट लेने वाले मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि महुवा नगरपालिका क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक राधे रानी मैरिज गार्डन जयपुर रोड महुवा मैं समय बैठकः- 10:30 बजे दिनांकः- 22 अगस्त 2026 शनिवार को व नगरपालिका मंडावर के कार्यकर्ताओं की बैठक पंचायती धर्मशाला मंडावरबैठक समय 2:00 बजेदिनांकः- 22 अगस्त 2026 शनिवार को होगी विधायक राजेंद्र मीणा ने सभी महुवा मंडावर नगर पालिका क्षेत्रके भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं भाजपा से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को समय पर मीटिंग में उपस्थित होने का आवाहन किया है।

महाप्रबन्धक ने बनारस- प्रयागराज रामबाग रेलखंड स्टेशन का किया गहन निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

वाराणसी। महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे एवं अनुसंधान अभिकल्प व् मानक संगठन (RDSO), लखनऊ के महानिदेशक प्रभाष दनसाना ने मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के साथ आज 21 अगस्त 2026 को अपने निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बनारस-प्रयागराज रामबाग रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण एवं प्रयागराज रामबाग रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक ने प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुख-सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा स्टेशन के रख-रखाव और साफ-सफाई हेतु सम्बंधित को निर्देश दिया । निरीक्षण के दौरान उन्होंने यात्री प्रतीक्षालय, पैदल ऊपरीगामी पुल (FOB), यात्री आरक्षण केंद्र में आरक्षित/अनारक्षित टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म, वाटर बूथ, साइनेज, दिव्यांगजन हेतु उपलब्ध सुविधाओं, स्टेशन पैनल तथा स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया की स्वच्छता का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने तथा स्टेशन पर स्वच्छता के मानक स्तर को कायम रखने एवं स्टेशन के ड्रेनेज सिस्टम में सुधार करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर महाप्रबंधक के साथ मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी श्री आशीष जैन सहित वाराणसी मंडल के वरिष्ठ अधिकारी, स्टेशन पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस आशय की जानकारी हिमांशु राव मुख्य प्रचार निरीक्षक ने मीडिया को दी।

कानपुर फतह तैयारी में बसपा, ओबीसी भाईचारा संगठन की बैठक में उमड़ी भीड़

स्मार्ट हलचल

कानपुर। आगामी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी भी बहुत मजबूती के साथ कमर कर चुकी है। इसके लिए बैठकों का दौर भी लगातार जारी है ,जिसके क्रम में बहुजन समाज पार्टी के ओबीसी भाईचारा संगठन की गोविंद नगर के गुजैनी में विधानसभा स्तरीय बैठक हुई, जिसमें अच्छी छवि और व्यवहार कुशलता को लेकर चर्चित पार्टी को मजबूत करने की दिशा में सर्वाधिक सक्रिय युवा नेता आशीष कश्यप की अगुवाई में युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ। आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण इस बैठक को संबोधित करते हुए बसपा के प्रति समर्पित जमीन से जुड़े , हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले तेज तर्रार और व्यवहार कुशल वरिष्ठ बसपा नेता ओबीसी भाईचारा संगठन में कानपुर मंडल के मुख्य प्रभारी बीआर अहिरवार ने बसपा शासनकाल में पिछड़े वर्ग की शासन में भागीदारी तथा समाज के महापुरुषों के सम्मान में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग हमेशा बसपा के साथ रहा है और अब वह समय नजदीक आ गया है। जब भाईचारा मजबूत कर 2027 में बसपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता हर तरह से तत्काल जुट जायें। वहीं बसपा नेता नरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि पिछड़े वर्ग की बसपा सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कार्यकताओं से पूरी ताकत के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में जुटने और पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाकर मायावती को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लेने की अपील की। इस बैठक में जिला संयोजक हरि नारायण कुशवाहा, पूर्व मुख्य मंडल प्रभारी बबलू चौधरी, पूर्व मंडल संयोजक असलम राज, अमर सिंह जाटव, विधानसभा संयोजक अनिल प्रजापति,, संदीप भगत, ओम प्रकाश कुरील, नीरज शर्मा, राहुल गोंड, प्रियांशु सविता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारत-सिंगापुर के बीच सेमीकंडक्टर, डिजिटलाइजेशन में बढ़ेगा सहयोग

स्मार्ट हलचल

सिंगापुर। भारत और सिंगापुर के बीच रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी साझेदारी को एक नई दिशा देने के लिए सिंगापुर में 'भारत-सिंगापुर मिनिस्टीरियल राउंडटेबल' (आईएसएमआर) के चौथे संस्करण का सफल आयोजन किया गया। इस उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी मंत्रालय के राज्य मंत्री जितिन प्रसाद शामिल हुए। सिंगापुर की ओर से उप-प्रधानमंत्री गन किम योंग, विदेश मंत्री डॉ. विवियन बालकृष्णन और गृह मंत्री के. शनमुगम संवाद में शामिल हुए। विदेश मंत्रालय ने एक

बयान में कहा मंत्रियों ने एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, कनेक्टिविटी, डिजिटलाइजेशन, हेल्थकेयर और मेडिसिन, स्किल्स डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी के छह पिलर्स के तहत इंडिया-सिंगापुर कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप (सीएसपी) की प्रोग्रेस का रिव्यू किया। बाइलेटरल कोऑपरेशन में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए, मंत्रियों ने ग्रीन इकोनॉमी, इंडस्ट्रियल पार्क्स, फूड सिक्योरिटी, डिजिटल कनेक्टिविटी और फिनटेक, सेमीकंडक्टर और ग्रीन शिपिंग जैसे नए और उभरते एरिया में इनिशिएटिव्स पर चर्चा की, जो कोऑपरेशन को गहरा करने के कुछ पोटेंशियल एरिया हैं। मंत्रालय ने कहा मंत्रियों ने आईएसएमआर पिलर्स के तहत हुई प्रोग्रेस को नोट किया, जैसे यूपीआई-पेनाऊ कनेक्ट ट्रांजैक्शन में काफी बढ़ोतरी देखी गई; सिंगापुर में इंडियन जेनेरिक दवाओं के रजिस्ट्रेशन के लिए पायलट का इम्प्लीमेंटेशन; इंडिया से सिंगापुर को लीची, आम, चेरी और प्लम का एक्सपोर्ट; सिंगापुर फूड एजेंसी द्वारा सिंगापुर को प्रोसेस्ड पोल्ट्री प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट के लिए इंडियन एस्टैब्लिशमेंट्स को अप्रूवल; चेन्नई में स्किलिंग के लिए नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का डेवलपमेंट शामिल है। फूड सेफ्टी के क्षेत्र में सहयोग के लिए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) और सिंगापुर फूड एजेंसी के बीच एमओयू हुआ, जो एग्रीकल्चर और फूड प्रोडक्ट्स के आपसी ट्रेड को आसान बनाएगा। इसके अलावा मैरीटाइम हेरिटेज कोऑपरेशन के लिए भारत के पोर्ट, शिपिंग और वाटरवेज़ मंत्रालय और सिंगापुर के कल्चर, कम्युनिटी और यूथ मंत्रालय के बीच एमओयू हुआ, जो मैरीटाइम हेरिटेज के क्षेत्र में सहयोग के लिए फ्रेमवर्क बनाएगा। इस बैठक से इतर विदेश मंत्री जयशंकर ने गृह मंत्री शनमुगम और अपने समकक्ष डॉ. बालाकृष्णन के साथ भी अलग से बैठकें कीं। जयशंकर ने और बालाकृष्णन ने सिंगापुर में भारतीय हाई कमीशन के नए चांसरी कम रेजिडेंशियल बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स का शिलान्यास भी किया।

महिला वर्कर्स की सुरक्षा के लिए खाड़ी देशों में बनाए 'वन स्टॉप सेंटर'

स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीय महिला कामगारों के लिए काम के माहौल को अधिक सुरक्षित, सरल और सुगम बनाने की दिशा में भारत सरकार ने बड़े कूटनीतिक और मानवीय कदम उठाए हैं। मुश्किल और संकटपूर्ण परिस्थितियों में फंसी भारतीय महिलाओं को तुरंत समन्वित सहायता प्रदान करने के लिए खाड़ी देशों के प्रमुख शहरों में 7 अत्याधुनिक 'वन स्टॉप सेंटर' स्थापित किए गए हैं। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह जानकारी दी। राज्यसभा सांसद राजीव सिंह ने खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीयों के समक्ष आने वाली दिक्कतों और उस पर भारत के रवैये को लेकर सवाल पूछा था। इसके जवाब में राज्यमंत्री ने बताया कि लगभग 1 करोड़ भारतीय नागरिक खाड़ी देशों (यूएई 45 लाख), (सऊदी अरब 27 लाख), (कुवैत 10 लाख), (कतर 8.2 लाख), ओमान (6.7 लाख), बहरीन (3.1 लाख) में रहते हैं। 2014 से जून 2026 के दौरान

'उत्प्रवास जांच आवश्यक' (ईसीआर) श्रेणी के पासपोर्ट वाले कुल 50,25,506 प्रवासी कामगारों को 6 खाड़ी देशों में विदेशी रोजगार के लिए 'उत्प्रवास मंजूरी' (ईसी) दी गई है। विदेश मंत्रालय के अनुसार मंत्री ने कहा भारतीय महिला कामगारों की भर्ती सिर्फ़ सरकारी आरए के ज़रिए या सीधे किसी विदेशी नियोक्ता (एफई) द्वारा की जा सकती है, जो संबंधित भारतीय मिशन/पोस्ट के साथ रजिस्टर्ड हो। महिला कामगारों को काम पर रखने वाले एफई को संबंधित भारतीय मिशन/पोस्ट के पास 2,500 डॉलर की फाइनेंशियल गारंटी जमा करनी होती है और कामगार व नियोक्ता के बीच हुए कॉन्ट्रैक्ट को भारतीय मिशन से प्रमाणित करवाना ज़रूरी है। महिलाओं की सहायता के लिए मनामा, मस्कट, दोहा, रियाद, दुबई, जेद्दा और कुवैत में 7 'वन स्टॉप सेंटर' बनाए गए हैं। सेंटरों में खास हेल्पलाइन हैं, ये मेडिकल और पुलिस सहायता तक पहुंच आसान बनाते हैं, कानूनी मदद और काउंसलिंग देते हैं और मनोवैज्ञानिक-सामाजिक सहायता भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा सभी शिकायतों (महिला एवं पुरुष द्वारा) के समाधान के लिए वॉक-इन अपॉइंटमेंट, ईमेल, चौबीसों घंटे कार्यरत बहुभाषी आपातकालीन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, मदद/ई-माइग्रेट जैसे चैनल स्थापित हैं। कामगारों को मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने के लिए दुबई, जेद्दा और रियाद में 'प्रवासी भारतीय सहायता केंद्र' स्थापित किए गए हैं। मंत्री सिंह ने संसद के समक्ष भारतीय मिशनों को मिलने वाली शिकायतों और उनके तुरंत समाधान किए जाने से जुड़े आंकड़ें भी साझा किए, जिनमें अधिकतर मामलों में तत्काल समाधान की बात कही गई। उन्होंने बताया कि विदेश जाने वाले भारतीय कामगारों को 'प्रवासी भारतीय बीमा योजना' का भी काफी लाभ मिल रहा है।

विधायक राजेंद्र मीणा चुनाव प्रभारीयो के सानिध्य में नगर पालिका महुआ मंडावर के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक आज शनिवार को

स्मार्ट हलचल/नीरज मीणा

महुवा। विधायक राजेंद्र मीणा व चुनाव प्रभारीयो के सानिध्य मेंनगरीय निकाय चुनाव 2026 को लेकरभारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र महुवा के समस्त भाजपा पदाधिकारी नगरपालिका क्षेत्र महुवा एवं नगरपालिका मंडावर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता की चुनाव संगठनात्मक बैठक आज शनिवार प्रातः 10:30 बजे महुवा के राधा रानी मैरिज गार्डन जयपुर रोड में 2:00 मंडावर कस्बे के पंचायती धर्मशालामें रखी गई है। इस भाजपा की संगठनात्मक बैठक में नगर पालिका के चुनावो को लेकर चर्चा कर महुवा व मंडावर नगरपालिकाओं में होने वाले पार्षद चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से आवेदन लिये जाएँगे। इस बैठक में प्रदेश भाजपा नेतृत्व के द्वारा तय किये गये नगरपालिकाओं के प्रभारी के रूप में नगरपालिका महुवा के प्रभारी जगमोहन भगेल एवं नगरपालिका मंडावर के प्रभारी धर्मेंद्र सिंह उपस्थित रहेंगे। इसी दिन दोनों नगरपालिकाओं के चुनाव कार्यालयों का उद्घाटन भी किया जायेगा। इन दोनों स्थानो पर आयोजित बैठको में बीजेपी मंडल महुवा एवं मंडावर के सभी भाजपा पदाधिकारी सहित बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता एवं भाजपा से टिकट लेने वाले मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि महुवा नगरपालिका क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक राधे रानी मैरिज गार्डन जयपुर रोड महुवा मैं समय बैठकः- 10:30 बजे दिनांकः- 22 अगस्त 2026 शनिवार को व नगरपालिका मंडावर के कार्यकर्ताओं की बैठक पंचायती धर्मशाला मंडावरबैठक समय 2:00 बजेदिनांकः- 22 अगस्त 2026 शनिवार को होगी विधायक राजेंद्र मीणा ने सभी महुवा मंडावर नगर पालिका क्षेत्रके भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं भाजपा से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को समय पर मीटिंग में उपस्थित होने का आवाहन किया है।

वरिष्ठ नागरिकों ने मैदान में दिखाया बचपन का जोश, गुल्ली-डंडा और सितौलिया में छाई रौनक

खेलों के बहाने जुड़ा जैन-माहेश्वरी समाज, विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर वरिष्ठजनों ने याद किया बचपन

मैदान में दिखी दोस्ताना टक्कर, वरिष्ठजनों ने पारंपरिक खेलों में आजमाया हुनर

स्मार्ट हलचल

कोटा। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर जैन समाज कोटा एवं माहेश्वरी समाज कोटा की ओर से आयोजित स्नेह मिलन समारोह में वरिष्ठ नागरिकों ने उम्र की सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए पारंपरिक खेलों में जमकर उत्साह दिखाया। गुल्ली-डंडा, चम्मच दौड़ और सितौलिया जैसे खेलों में महिला एवं पुरुष वरिष्ठजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। खेल मैदान में

प्रतियोगिता के साथ बचपन की यादों और आपसी सौहार्द की झलक भी देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक धर्मचंद काला ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ मनोरंजन के साथ आपसी मेल-जोल और पारंपरिक खेलों से जोड़ना था। जैसे ही प्रतियोगिताएं शुरू हुईं, प्रतिभागियों में गजब का उत्साह नजर आया। कई वरिष्ठजन पूरे जोश के साथ खेलते दिखाई दिए और साथी प्रतिभागियों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। गुल्ली-डंडा और सितौलिया जैसे पारंपरिक खेल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। आधुनिक मनोरंजन के दौर में लगभग भुलाए जा चुके इन खेलों ने वरिष्ठ नागरिकों को उनके बचपन के दिनों की याद दिला दी। चम्मच दौड़ में महिला प्रतिभागियों ने भी पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। खेलों के दौरान हंसी-मजाक और आपसी प्रतिस्पर्धा का माहौल बना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने भी विभिन्न खेलों में भाग लेकर वरिष्ठ नागरिकों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव और सक्रिय जीवनशैली का महत्वपूर्ण साधन हैं। ऐसे आयोजनों से वरिष्ठ नागरिकों में ऊर्जा, उत्साह और आपसी आत्मीयता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि जैन और माहेश्वरी समाज का संयुक्त आयोजन सामाजिक समन्वय और भाईचारे का उदाहरण है। खेलों के माध्यम से दोनों समाजों के वरिष्ठ नागरिकों को एक-दूसरे के साथ समय बिताने और पुरानी यादें साझा करने का अवसर मिला। सकल दि.जैन सामज के कार्यध्यक्ष जे.के. जैन ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं के साथ संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। पूरे आयोजन में खेल भावना, सहभागिता और सामाजिक सौहार्द प्रमुखता से दिखाई दिया। आयोजन ने यह संदेश दिया कि उम्र केवल एक संख्या है; उत्साह और सक्रियता के साथ जीवन के हर पड़ाव को आनंदमय बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में सकल जैन समाज के परम संरक्षक विमल जैन नांता व विनोद टोरडी अध्यक्ष प्रकाश बज, महामंत्री पदम बड़ला, पूर्व न्यायाधीश जेनेन्द्र जैन,एस के जैन, माहेश्वरी समाज के मंत्री विठ्ठलदास मूंदड़ा, पूर्व राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष महेश अजमेरा, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष के.जी. जाखेटिया,सुरेश काबरा, आनन्द राठी,पारस सौगानी, सुरेशचांदवाड़, हृसंदीप काला, पारस काला, द्रवेन्द टोंग्या,अशोक जोरा, एस के दोशी, देवेन्द्र टोंग्या, कमल बोहरा,अशोक पहाडिया, शकुंतला काला, संतोषकाला,पुष्पा जैन, तारा देवी, समिता टोरडी,रूकमणी मुंदडा, पुष्पा गट्टानी,साधना भण्डारी,सहित दोनों समाजों के अनेक वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

शक्ति नायक समाज महिला संगठन का सावन महोत्सव, संतोष नायक बनीं 'तीज क्वीन'

स्मार्ट हलचल

कोटा। 'शक्ति' नायक समाज महिला संगठन, कोटा की ओर से पहला सावन महोत्सव तलवंडी में उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कोटा के साथ बारां, बूंदी और झालावाड़ से आई करीब 70 महिलाओं ने भाग लिया। महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया परिधान और आकर्षक श्रृंगार के साथ सावन की उमंग को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने सावन से जुड़े गीतों, हिंदी एवं राजस्थानी लोकगीतों तथा बॉलीवुड गीतों पर जमकर नृत्य किया। सावन और श्रृंगार से जुड़े सवाल-जवाब तथा पहेलियों के विभिन्न राउंड भी आयोजित किए गए, जिनमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में संतोष नायक

ने 'तीज क्वीन' का खिताब अपने नाम किया। आरती नायक ने द्वितीय तथा अनिता नायक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संगठन की अध्यक्ष वंदना नायक ने बताया कि सावन महोत्सव का उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक मंच पर लाकर आपसी मेलजोल, सांस्कृतिक परंपराओं और महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने पारंपरिक लहरिया परिधानों में शामिल होकर सावन की संस्कृति और राजस्थान की लोक परंपराओं की खूबसूरत झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम को सफल बनाने में निशा नायक, चंद्रकांता नायक, पाना जी नायक, इंद्रा नायक,सुनिता नायक, ऊषा नायक, गीता नायक, अनीता नायक, मीनाक्षी नायक, संतराज नायक, सरजू नायक, उमा नायक, लक्ष्मी नायक (बारां) सहित संगठन की सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

प्रिंस हैरी शाही भूमिकाओं के बिना ब्रिटेन लौटेंगे; भारतीय महिला को इस्राइल में अच्छी नागरिकता सम्मान

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेघन ने यूनाइटेड किंगडम लौटने का फैसला किया है। हालांकि, वे शाही परिवार के कामकाजी सदस्यों के रूप में अपनी भूमिकाएं फिर से शुरू नहीं करेंगे। किंग चार्ल्स को रविवार को इस निर्णय के बारे में सूचित किया गया। हालांकि, पिछले महीने दंपती की यूके यात्रा के दौरान उन्हें इस बारे में नहीं बताया गया था। डेली टेलीग्राफ ने यह खबर सबसे पहले प्रकाशित की है। अखबार के अनुसार, हैरी और मेघन के बच्चे, प्रिंस आर्ची (7) और प्रिंसेस लिलिबेट (5), ब्रिटिश स्कूलों में पहले ही दाखिला ले चुके हैं। वे सितंबर में अपनी कक्षाएं शुरू करेंगे। यह निर्णय दंपती द्वारा अपनी शाही जिम्मेदारियां छोड़ने के छह साल से अधिक समय बाद आया है। उन्होंने आकर्षक मीडिया अनुबंधों को आगे बढ़ाने के लिए कैलिफोर्निया का रुख किया था। ब्रिटेन लौटने से किंग चार्ल्स को अपने पोते-पोतियों से अधिक मिलने का अवसर मिलेगा। किंग चार्ल्स एक अज्ञात प्रकार के कैंसर का इलाज करा रहे हैं। दंपती ने छह साल से अधिक समय पहले अपने शाही कर्तव्यों को त्याग दिया था। वे कैलिफोर्निया में बस गए थे। इस वापसी से परिवार के संबंधों में मजबूती आ सकती है।

इस्राइल में देखभाल करने वाली भारतीय महिला को अच्छी नागरिकता का सम्मान

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल पुलिस ने एक भारतीय महिला को अच्छी नागरिकता के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया है। देखभाल करने वाली इस महिला ने कार्मेल क्षेत्र में 95 वर्षीय होलोकॉस्ट पीड़ित को ठगी के प्रयास से बचाया था। बुधवार को तटीय जिला पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में हाइफा पुलिस स्टेशन के जांचकर्ताओं ने हीरा (हीराबेन) को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हीराबेन उस बुजुर्ग महिला की नर्सिंग देखभालकर्ता यानी केयरगिवर के रूप में काम कर रही हैं। इजरायल में कुछ ही महीने रहने के बावजूद, हीराबेन ने सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। उन्होंने महिला को एक कथित धोखेबाज से बचाया, जो क्लैलिट हेल्थ सर्विसेज की नर्स बनकर उनके अपार्टमेंट में आया था। देखभालकर्ता ने शांत रहते हुए घटना को दर्ज किया, संदिग्ध को बुजुर्ग महिला के पास जाने से रोका और पुलिस को सूचित किया। इस मामले में आरोप पत्र दायर किया गया है और संदिग्ध की हिरासत दो दिन पहले कानूनी कार्रवाई पूरी होने तक बढ़ा दी गई थी। जांचकर्ता नोफर पाज़ ने बुजुर्ग महिला और उनके परिवार की उपस्थिति में हीराबेन को धन्यवाद दिया।

सफारी के दौरान हेलीकॉप्टर क्रैश, पांच अमेरिकी समेत सात लोगों की मौत

नैरोबी, एजेंसी। केन्या के उत्तरी हिस्से में बुधवार सुबह सफारी के दौरान एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस और अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, मृतकों में पांच अमेरिकी नागरिक शामिल थे। हेलीकॉप्टर सुबह 9:13 बजे लॉइसाबा कंजरवेंसी से साम्बुरु काउंटी के इवासो न्यिरो इलाके की ओर जा रहा था। केन्या नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अनुसार, हेलीकॉप्टर में कुल सात लोग सवार थे। इनमें छह यात्री और एक पायलट था। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। साम्बुरु के पुलिस कमांडर डेविड नकोरोई ने बुधवार देर शाम पुष्टि की कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई है। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि मृतकों में पांच अमेरिकी नागरिक थे। अमेरिकी दूतावास स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और पीड़ितों से जुड़े लोगों को जरूरी कांसुलर सहायता उपलब्ध करा रहा है। मृतकों की आधिकारिक पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि, अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित एक स्थानीय टीवी स्टेशन ने बताया कि मृतकों में जोस सुआरेज भी शामिल थे, जिनकी उम्र 55 वर्ष थी और वह टेलीमुंडो के फ्लोरिडा स्थित कई स्टेशनों के अध्यक्ष और महाप्रबंधक थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हेलीकॉप्टर माउंट ओलोलोक्के की तलहटी में स्थित एक दुर्गम और ऊबड़-खाबड़ इलाके में गिरा। यह स्थान पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। हेलीकॉप्टर स्थानीय कंपनी लेडी लॉरी हेलीकॉप्टर्स का था और चार्टर उड़ान के तहत यात्रियों को ले जा रहा था। सफारी कंपनी एंडबियॉन्ड के साथ यात्रा कर रहे लोगों के लिए यह उड़ान संचालित की गई थी। ट्रॉपिक एयर केन्या ने तलाश और बचाव अभियान में मदद के लिए अपने दो हेलीकॉप्टर भेजे। केन्या रेड क्रॉस की आपातकालीन टीमें भी बहु-एजेंसी राहत अभियान में शामिल हुईं।

गंगा जल पर फिर तनातनी: गारंटी प्रावधान मांगने की तैयारी में बांग्लादेश, क्या भारत से बिगड़ेंगे रिश्ते

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश ने भारत के साथ गंगा जल संधि के नवीनीकरण को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। पड़ोसी मुल्क अब नई संधि में 'गारंटी प्रावधान' शामिल करने की मांग करेगा। साथ ही उसने संकेत दिया है कि पानी के अधिकारों की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर अंतरराष्ट्रीय मंचों का रुख भी किया जा सकता है। जल संसाधन मंत्री शाहिदुद्दीन चौधरी अनी ने मंगलवार को ढाका में आयोजित एक संगोष्ठी में यह बात कही। संगोष्ठी का विषय था- 'गंगा जल संधि: पुनर्विचार के मुद्दे'। इसका आयोजन बांग्लादेश इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड इंटरनेशनल अफेयर्स ने किया था। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने इसकी जानकारी दी।

दिसंबर में समाप्त होने वाली है गंगा जल संधि : भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल संधि दिसंबर में समाप्त होने वाली है। यह संधि सूखे मौसम में गंगा के पानी के बंटवारे की व्यवस्था करती है। अनी ने कहा कि बांग्लादेश संधि पर दोबारा बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान अगले महीने संयुक्त राष्ट्र में बांग्लादेश का पक्ष मजबूती से रखेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को संधि चाहिए। उनके मुताबिक, बिना संधि के आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं है और यह बांग्लादेश का अधिकार है।

क्या 1977 वाला गारंटी प्रावधान फिर लौटेगा : अनी ने भविष्य की जल-बंटवारा संधियों में सूचना के अधिकार से जुड़ा प्रावधान शामिल करने की जरूरत बताई। उन्होंने 1977 की गंगा संधि में मौजूद 'गारंटी प्रावधान' को फिर शामिल करने की मांग की। यह प्रावधान 1996 की संधि में नहीं रखा गया था। गारंटी प्रावधान का मतलब है कि निचले हिस्से वाले देश को पानी की न्यूनतम मात्रा मिलने की गारंटी हो। इसका उद्देश्य सूखे मौसम या नदी का जलस्तर अचानक घटने पर पानी की आपूर्ति को सुरक्षित रखना है।

बांग्लादेश का कहना है कि मौजूदा संधि सबसे सूखे मौसम में पर्याप्त पानी की गारंटी नहीं देती। उसकी आपत्ति यह भी है कि पानी बांटने का मौजूदा तरीका पुराने जलवैज्ञानिक हालात पर आधारित है। सूखे मौसम में नदी का प्रवाह अब ज्यादा अनिश्चित हो गया है। बांग्लादेश पर्यावरण से जुड़े प्रावधानों को भी अपर्याप्त मानता है। वह ऊपरी हिस्से में पानी की निकासी, नदी के स्वास्थ्य, बढ़ती लवणता और पारिस्थितिक प्रवाह को भी चर्चा में शामिल करना चाहता है।

क्या फरक्का बैराज फिर बनेगा विवाद का केंद्र : भारत-बांग्लादेश जल संबंधों में फरक्का बैराज लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पश्चिम बंगाल में भारत द्वारा बनाए गए इस बैराज का उद्देश्य गंगा के पानी के एक हिस्से को हुगली नदी तंत्र की ओर मोड़ना है। बांग्लादेश में इसे लेकर लंबे समय से चिंता रही है कि इससे सूखे मौसम में नीचे की ओर पानी का प्रवाह कम होता है। अनी ने कहा कि बांग्लादेशी लोग लंबे समय से फरक्का बैराज को 'मौत का जाल' मानते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि फरक्का के बाद भारत ने गंगा पर बैराज और करीब 900 तटबंध बनाए, जिससे दोनों देशों के संबंधों पर दबाव पड़ा।

भारत का रुख क्या : भारत का कहना है कि फरक्का बैराज बांध नहीं, बल्कि पानी को मोड़ने वाली संरचना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इसके द्वारों की व्यवस्था के जरिए गंगा के करीब 40,000 क्यूसेक पानी को फरक्का नहर में भेजने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बाकी पानी बांग्लादेश की ओर बहता रहता है। भारत यह भी कहता है कि समझौते के तहत जल प्रवाह का आंकड़ा संयुक्त नदी आयोग के जरिए बांग्लादेश के साथ नियमित रूप से साझा किया जाता है। बांग्लादेश और भारत के बीच 54 प्रमुख नदियां साझा हैं। गंगा दोनों देशों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सीमा-पार नदियों में से एक है। जल बंटवारे और नदी से जुड़े मुद्दों पर दोनों देश संयुक्त नदी आयोग के जरिए बातचीत करते हैं।

क्या भारत जल्द शुरू करेगा नई संधि पर बातचीत : जुलाई में भारत की विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति ने सरकार से बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि के नवीनीकरण पर बिना और देरी के बातचीत शुरू करने को कहा था। समिति ने सिफारिश की थी कि बातचीत में नए जलवैज्ञानिक आंकड़ों, जलवायु अनुमानों और पश्चिम बंगाल तथा बिहार की चिंताओं को ध्यान में रखा जाए। भारत सरकार ने फरवरी में संसद को बताया था कि संधि के नवीनीकरण को लेकर बांग्लादेश के साथ बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। सरकार ने यह भी कहा था कि पश्चिम बंगाल सरकार सहित संबंधित पक्षों से मिले सुझावों को भारत का रुख तय करते समय ध्यान में रखा गया है। अनी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब इससे दो दिन पहले उन्होंने कहा था कि बांग्लादेश तीस्ता नदी के लंबे समय से लंबित जल-बंटवारा समझौते को लेकर भारत के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंध खराब नहीं करना चाहता। उन्होंने भारत से अपने हितों के साथ बांग्लादेश के हितों को भी ध्यान में रखने की अपील की थी।

नताली हार्प बनीं ट्रंप की सबसे भरोसेमंद साथी, कैमरे से दूर रहकर कैसे बढ़ा व्हाइट हाउस में असर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आसपास कई ताकतवर लोग हैं, लेकिन 35 वर्षीय नताली हार्प की भूमिका अलग नजर आती है। वह कैमरे के सामने बोलने वाली अधिकारी नहीं हैं, फिर भी ट्रंप के आसपास लगातार दिखाई देती हैं। ओवल ऑफिस से लेकर मरीन वन तक वह राष्ट्रपति के साथ रहती हैं। खास तौर पर प्रेस सचिव रहीं केरोलिन लेविट की विदाई के बाद व्हाइट हाउस में हार्प की अहमियत और बढ़ने की बात सामने आई है।

नताली हार्प को ह्यूमन प्रिंटर क्यों कहा जाता है : हार्प ट्रंप के लिए लगातार जानकारी जुटाने, विश्व नेताओं से संदेशों के आदान-प्रदान और सोशल मीडिया पोस्ट तैयार करने में मदद करती हैं। वह देर रात तक राष्ट्रपति के साथ काम करती हैं और रविवार को भी छुट्टी नहीं लेने की बात सामने आई है। उनके पास एक पोर्टेबल प्रिंटर भी रहता है। इसी वजह से व्हाइट हाउस में उन्हें 'ह्यूमन प्रिंटर' कहा जाता है। वह ट्रंप तक सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया की जानकारी तुरंत पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

ट्रंप के साथ खतरनाक सफर में भी क्यों रहीं : नताली की भूमिका उस समय भी चर्चा में आई जब वह एक बेहद गुप्त अभियान का हिस्सा बनीं। इस अभियान में हमले के खतरे के बीच ट्रंप और कुछ चुनिंदा लोगों को तुर्किये से सुरक्षित निकालने की कोशिश की गई थी। इसके लिए विमान के कैटरिंग कंटेनर का इस्तेमाल किया गया था। इस घटना के बाद हार्प की भूमिका ज्यादा लोगों की नजर में आई। ट्रंप के करीबी सहयोगियों के अनुसार, राष्ट्रपति के प्रति उनकी निष्ठा बेहद मजबूत है।

ट्रंप से नताली का रिश्ता इतना खास कैसे बना : हार्प की ट्रंप से नजदीकी का एक निजी कारण भी बताया जाता है। वह कैंसर से जूझ चुकी हैं। उनके अनुसार, ट्रंप की ओर से समर्थित 'राइट टू ट्राई' कानून ने उन्हें प्रयोगात्मक इलाज तक पहुंच दिलाने में मदद की और इससे उनकी जिंदगी बचाने में मदद मिली। ट्रंप भी कई बार कह चुके हैं कि दूसरे कर्मचारी भविष्य में उनका साथ छोड़ सकते हैं, लेकिन नताली ऐसा नहीं करेंगी। यही निजी अनुभव दोनों के बीच भरोसे की एक वजह माना जाता है। हाल ही में सामने आए पत्रों में नताली ने ट्रंप के प्रति अपनी बेहद गहरी निष्ठा जाहिर की थी।

यूएनएससी में भारत की दो टूक: विकासशील देशों को मिले अधिक प्रतिनिधित्व, आतंकवाद पर राजनीति को लेकर क्या कहा

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के काम करने के तरीकों पर खुली चर्चा हुई। इस चर्चा में भारत की राजदूत योजना पटेल ने देश का पक्ष रखा।उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों को सुरक्षा परिषद में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की मांग करता है। उन्होंने कहा कि अस्थायी सदस्यों को सुरक्षा परिषद में सार्थक योगदान देने का मौका मिलना चाहिए। इसके लिए सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों को दस्तावेजों तक पहुंच के मामले में एक जैसे अधिकार और सुविधाएं मिलनी चाहिए।

राजदूत योजना पटेल ने क्या कहा : योजना पटेल ने कहा कि जो देश सीधे तौर पर किसी मुद्दे से जुड़े हैं, उन्हें सुरक्षा परिषद के फैसले लेने की व्यवस्था में भी शामिल किया जाना चाहिए। खासकर शांति स्थापना से जुड़े सभी बड़े सवालों में उनकी भूमिका होनी चाहिए। इनमें मिशन का काम क्या होगा और उसके लिए कितने संसाधन दिए जाएंगे जैसे मुद्दे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दस्तावेज संख्या- 507 में उचित बदलाव किया जाना चाहिए। इसमें सुरक्षा परिषद की सहायक संस्थाओं के अध्यक्षों के नाम तय करने के लिए स्पष्ट और अंतिम समय-सीमा होनी चाहिए। यह समय-सीमा ऐसी होनी चाहिए, जिस पर कोई समझौता न हो सके।

आतंकवाद पर राजनीति को लेकर क्या कहा : भारत ने यह भी कहा कि सुरक्षा परिषद को छोटे और सीमित राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने का मंच नहीं बनना चाहिए। योजना पटेल ने कहा कि सुरक्षा परिषद में किसी देश की मौजूदगी का इस्तेमाल आतंकवादियों को वैध ठहराने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। केवल राजनीतिक कारणों के आधार पर आतंकियों को आतंकवादी सूची से हटाने या दूसरी संस्थाओं को आतंकवादी संगठन घोषित करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। इसके लिए निष्पक्ष मापदंड और समर्थन करने वाले दस्तावेज होना जरूरी है।

अमेरिका में आरएसएस पर बैन लगाने की मांग, भागवत के यूएस दौरे पर यूएससीआईआरएफ सख्त; बोला- संघ नेताओं को न मिले सम्मान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की धार्मिक स्वतंत्रता पर काम करने वाली सलाहकार संस्था यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) के अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही, उन्होंने अमेरिकी सरकार से अपील की है कि वह आरएसएस नेताओं को राजनयिक सम्मान न दे और न ही उनके साथ किसी तरह की हाई-लेवल मीटिंग करे। यह बयान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के प्रस्तावित अमेरिका दौरे से पहले आया है। वहीं, भारत पहले ही यूएससीआईआरएफ की रिपोर्टों को पक्षपातपूर्ण और वैचारिक पूर्वाग्रह पर आधारित बताते हुए खारिज कर चुका है। आरएसएस नेताओं से दूरी बनाने की अपील यूएससीआईआरएफ के चेयरमैन आसिफ महमूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य हैं। उन्होंने आरएसएस को एक %अंब्रेला ऑर्गनाइजेशन यानी ऐसा मुख्य संगठन बताया, जिसके सहयोगी संगठनों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले करने के आरोप लगते रहे हैं। महमूद की ये टिप्पणियां आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे से कुछ हफ्ते पहले सामने आई हैं। भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग की ओर से आयोजित यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन (एकता का उत्सव) में शामिल होने वाले हैं। आरएसएस सदस्यों पर प्रतिबंध की मांग यूएससीआईआरएफ कमिश्नर जीन मिल्स ने कहा कि आरएसएस नेताओं को, भले ही वे भारत सरकार से जुड़े हों, हाई-लेवल मीटिंग या राजनयिक सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए। इसके बजाय, अमेरिकी सरकार को उन आरएसएस सदस्यों पर प्रतिबंध लगाने पर ध्यान देना चाहिए, जो फ्रीडम ऑफ रिलिजन ऑर बिलीफ यानी धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। यूएससीआईआरएफ ने आसिफ महमूद और जीन मिल्स की इन टिप्पणियों को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। महमूद ने आरएसएस को लेकर क्या कहा महमूद ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य हैं। यह भारत का एक मुख्य संगठन है, जिसके सहयोगी समूहों ने ईसाइयों और मुसलमानों सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं। अब आरएसएस नेता मोहन भागवत अमेरिका का दौरा करने वाले हैं। हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स ने भी उठाए सवाल एडवोकेसी ग्रुप हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि मोहन भागवत के दौरे को मुसलमानों और ईसाइयों के खिलाफ आरएसएस नेटवर्क से जुड़े हिंसा के आरोपों से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

विदेशों का नया ट्रेंड भारत की पुरानी जीवनशैली है ब्रिटेन-अमेरिका के जेन-जी अपना रहे भारतीय साइलेंट वॉक

लंदन, एजेंसी। अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों में जेन-जी के बीच इन दिनों साइलेंट वॉकिंग तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसमें युवा मोबाइल फोन को दूर रखकर, ईयरफोन उतारकर और बिना संगीत या पॉडकास्ट सुने चुपचाप टहलते हैं। सोशल मीडिया पर इसे तनाव कम करने और मानसिक सुकून पाने के तरीके के रूप में पेश किया जा रहा है। हालांकि भारतीयों के लिए यह तरीका उतना नया नहीं है, क्योंकि यहां मौन और एकांत में टहलने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है।

क्या है साइलेंट वॉकिंग और युवा इसे क्यों अपना रहे हैं : साइलेंट वॉकिंग का मतलब बिना किसी डिजिटल गतिविधि के पैदल चलना है। इस दौरान मोबाइल, संगीत, पॉडकास्ट, ऑडियोबुक और सोशल मीडिया से दूरी बनाई जाती है। व्यक्ति केवल अपने कदमों, विचारों और आसपास के वातावरण पर ध्यान देता है। लगातार फोन और इंटरनेट से जुड़े रहने वाली युवा पीढ़ी के लिए यह तरीका कुछ समय के लिए डिजिटल दुनिया से दूरी बनाने का अवसर देता है। इसे तनाव कम करने और मन को शांत करने के एक आसान तरीके के रूप में देखा जा रहा है। क्या भारत में यह परंपरा पहले से मौजूद है भारत में मौन और एकांत को मानसिक शांति से जोड़ने की परंपरा सदियों पुरानी है। मंदिरों की परिक्रमा, मौन व्रत और विपश्यना जैसे अभ्यासों में बाहरी शोर से दूरी बनाकर आत्मचिंतन पर जोर दिया जाता है। मंदिर परिसरों और पार्कों में चुपचाप टहलना भी भारतीय जीवनशैली का हिस्सा रहा है। इसलिए पश्चिमी देशों में साइलेंट वॉकिंग का बढ़ता चलन भारतीय नजरिए से किसी बिल्कुल नई चीज के बजाय पुरानी परंपरा के आधुनिक रूप जैसा दिखाई देता है।

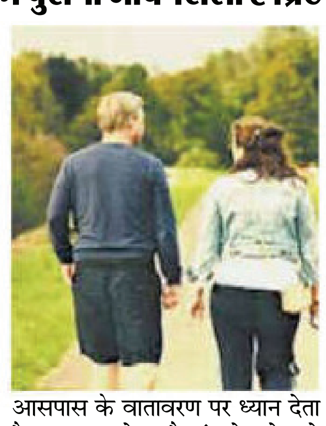

क्या भारतीय युवा भी इसे अपना रहे हैं : भारत में भी युवा बिना ईयरफोन और मोबाइल में व्यस्त हुए सार्वजनिक जगहों पर टहलते नजर आ रहे हैं। दिल्ली का लोधी गार्डन, बंगलूरू का कब्बन पार्क और मुंबई का मरीन ड्राइव ऐसे स्थान हैं, जहां लोग चहलकदमी करते हैं। हालांकि भारत में इसे हमेशा साइलेंट वॉकिंग के नाम से नहीं जाना जाता। पश्चिम में इसके लिए एक नया नाम और सोशल मीडिया ट्रेंड बन गया है, जबकि भारत में इसके पीछे की आदत और विचार लंबे समय से मौजूद हैं।

2023 में सोशल मीडिया पर कैसे लोकप्रिय हुआ यह नाम : साइलेंट वॉकिंग की अवधारणा पुरानी है, लेकिन इसका नाम 2023 में सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हुआ। टिकटॉक क्रिएटर मैडी माओ ने बिना फोन, संगीत और पॉडकास्ट के 30 मिनट टहलने का अपना अनुभव साझा किया था। इसके बाद यह तरीका सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया। धीरे-धीरे फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, नीदरलैंड और बेल्जियम समेत कई पश्चिमी देशों के युवाओं ने इसे अपनाना शुरू कर दिया। साइलेंट वॉकिंग के बढ़ते चलन में डिजिटल दुनिया से थोड़ी देर दूरी बनाने की कोशिश साफ दिखाई देती है।

ईरान पर होगी सबसे बड़ी आर्थिक कार्रवाई: ट्रंप ने दी धमकी, मदद करने वाले देशों को चेताया; क्या बढ़ेगा तनाव

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अब तक की सबसे सख्त आर्थिक कार्रवाई की धमकी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को अमेरिका के साथ समझौता करने का सबसे बड़ा मौका दिया गया था। लेकिन उसने इसे गंवा दिया।

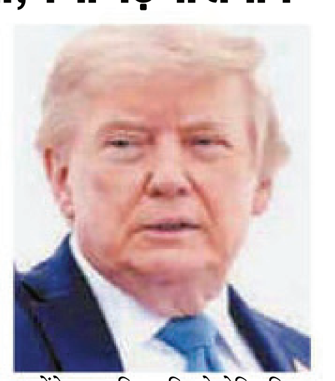

ट्रंप ने कहा, इस्लामी गणराज्य ईरान को किसी समझौते के लिए मुझसे ज्यादा बड़ा मौका किसी ने नहीं दिया। दुख की बात है कि उन्होंने इस मौके का फायदा नहीं उठाया। इसलिए आज मैं किसी भी देश के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी आर्थिक कार्रवाई की घोषणा कर रहा हूं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की नौसेना खत्म हो चुकी है। उसकी वायु सेना नष्ट हो गई है। उसकी सैन्य फैक्टरियां मलबे में बदल गई हैं। ईरान की मुद्रा बेकार हो गई है और देश बेहद कमजोर स्थिति में है।

ईरान की मदद करने वाले देशों पर भी कार्रवाई : ट्रंप ने कहा कि जो भी देश ईरान को किसी भी तरह की आर्थिक मदद देगा, उसे भी बड़े आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा। इसमें वित्तीय संस्थान, कारोबार, हवाई अड्डे और सरकारी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने तेल की तस्करी, स्वैप लाइन, नकद लेनदेन, एक्सचेंज हाउस, जहाजों के पंजीकरण और ईरान की मदद करने वाली छिपी हुई (शेल) कंपनियों को तुरंत रोकने की बात कही।

सहयोगी देशों से अमेरिका के साथ आने की अपील : ट्रंप ने इसे ईरान के खिलाफ बड़े आर्थिक हमले का दिन बताया। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी देशों से ईरान को अलग-थलग करने और उसके खतरे को खत्म करने में साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईरान इस समय बेहद कमजोर स्थिति में है। उन्होंने दावा किया कि ये ऐतिहासिक कदम ईरान को और दुनियाभर में आतंक फैलाने की उसकी क्षमता को बुरी तरह कमजोर कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा।

अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाया : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के पिछले हफ्ते इसी तरह बयान दिया था। बेसेंट ने कहा था कि अमेरिका ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिशें बढ़ाएगा। इस रणनीति में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी भी शामिल है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय %ऑपरेशन इकोनॉमिक फ्यूरी% नाम से प्रतिबंध अभियान भी चला रहा है। इसका मकसद लक्षित कार्रवाई के जरिये ईरान के पैसे जुटाने के स्रोतों को बंद करना है। युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों के साथ हुई। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ईरान को सैन्य उपकरण और ड्रोन से जुड़ी तकनीक दी है। वहीं, चीन लगातार ईरान से तेल खरीद रहा है। चीन ने ईरान के साथ कारोबारी रिश्ते बनाए रखे हैं और उसे कूटनीतिक समर्थन भी दिया है।

कौन हैं अमेरिका की एफडीए प्रमुख बनने जा रहीं हेइडी ओवरटन, ट्रंप ने किया नामित, विवादों से भी रहा है नाता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस की वरिष्ठ अधिकारी डॉ. हेइडी ओवरटन को खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए का अगला आयुक्त बनाने के लिए नामित किया है। अगर अमेरिकी सीनेट उनकी नियुक्ति को मंजूरी देती है, तो वह इस बेहद महत्वपूर्ण संस्था की जिम्मेदारी संभालेंगी। एफडीएअमेरिका में दवाओं, वैक्सीन, चिकित्सा उपकरणों और खाद्य पदार्थों की सुरक्षा और नियमन से जुड़े बड़े फैसले करता है। ओवरटन फिलहाल व्हाइट हाउस के घरेलू नीति परिषद में उपनिदेशक के पद पर हैं और ट्रंप प्रशासन की स्वास्थ्य नीतियों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं।

ओवरटन की पढ़ाई और करियर कितना मजबूत : हेइडी ओवरटन मेडिकल डॉक्टर हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको से मेडिकल की पढ़ाई की। इसके बाद जॉन्स हॉपकिन्स में जनरल सर्जरी का प्रशिक्षण लिया और क्लिनिकल जांच से जुड़ी उच्च शिक्षा भी हासिल की। ट्रंप प्रशासन में आने से पहले वह कंजर्वेटिव थिंक टैंक अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट में मुख्य नीति अधिकारी के रूप में काम कर चुकी हैं। यानी उनका अनुभव केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य नीति और राजनीतिक प्रशासन से भी जुड़ा रहा है।

ट्रंप के भरोसेमंद लोगों में कैसे शामिल हुईं : दूसरे कार्यकाल में ओवरटन ट्रंप की कई स्वास्थ्य योजनाओं में उनके साथ दिखाई दी हैं। दवा की कीमत कम करने, नई दवाओं को तेजी से मंजूरी देने और स्वास्थ्य नीति में बदलाव से जुड़े कई कार्यक्रमों में उन्होंने भूमिका निभाई है। ट्रंप ने उनके नाम की घोषणा करते हुए उन्हें बेहद सक्षम और भरोसेमंद अधिकारी बताया तथा तेज इलाज, चिकित्सा नवाचार और दवाओं की कम कीमत जैसे लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई। स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने भी ओवरटन के फैसले लेने की क्षमता और प्रशासनिक अनुशासन की तारीफ की है।

वैक्सीन नीति को लेकर क्यों उठे सवाल : ओवरटन की नियुक्ति का सबसे विवादित पक्ष उनकी वैक्सीन नीति से जुड़ी भूमिका है। हाल में वह उस कार्यक्रम में ट्रंप के साथ खड़ी थीं, जिसमें बच्चों के टीकाकरण से जुड़ी नीति में बड़े बदलावों की घोषणा की गई थी। इसमें खसरा, कण्ठमाला और रूबेला यानी एमएमआर वैक्सीन को अलग-अलग टीकों में बांटने की योजना भी शामिल थी। चिकित्सा जगत के कई लोगों ने इस नीति पर सवाल उठाए हैं। इसी वजह से ओवरटन की एफडीएमें संभावित भूमिका को लेकर वैज्ञानिक और स्वास्थ्य क्षेत्र में बहस तेज हो गई है।

गर्भपात की दवाओं पर क्या है ओवरटन का रुख : ओवरटन गर्भपात की दवाओं को लेकर भी सख्त रुख रखती हैं। वह ऐसी दवाओं की उपलब्धता और ऑनलाइन इस्तेमाल से जुड़ी मौजूदा व्यवस्था की आलोचना कर चुकी हैं। अगर सीनेट से उनकी नियुक्ति मंजूर होती है, तो स्नष्ठ के सामने गर्भपात की दवाओं से जुड़े नियमों की समीक्षा भी एक बड़ा मुद्दा हो सकता है। अमेरिका में गर्भपात को लेकर पहले से ही राजनीतिक और कानूनी विवाद चल रहा है। इसलिए इस मुद्दे पर ओवरटन के फैसलों पर खास नजर रहेगी।

एफडीएको संभालते ही किन बड़ी चुनौतियों का सामना होगा : ओवरटन ऐसे समय एफडीए की कमान संभाल सकती हैं, जब संस्था पहले ही नेतृत्व और कर्मचारियों से जुड़ी बड़ी चुनौतियों से गुजर रही है। पूर्व आयुक्त डॉ. मार्टी मकारी ने मई में पद छोड़ दिया था। उनके कार्यकाल में ई-सिगरेट, गर्भपात की दवाओं और नई दवाओं की मंजूरी जैसे मुद्दों पर विवाद रहे। एफडीए में बड़ी संख्या में कर्मचारियों के जाने से भी संस्था पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में नई प्रमुख से प्रशासनिक स्थिरता और जनता का भरोसा बहाल करने की उम्मीद होगी।

क्या दवाओं की मंजूरी का तरीका भी बदल सकता है : एफडीए की एक बड़ी जिम्मेदारी नई दवाओं और चिकित्सा उत्पादों की जांच तथा मंजूरी देना है। ट्रंप प्रशासन तेज मंजूरी और चिकित्सा नवाचार को बढ़ावा देने की बात करता रहा है। दूसरी ओर, एफडीए से जुड़े वैज्ञानिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ सुरक्षा मानकों को लेकर सतर्क रहने की जरूरत पर जोर देते हैं। ओवरटन को इन दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। खासकर दुर्लभ बीमारियों की दवाओं, जैव-तकनीकी उत्पादों और नई चिकित्सा तकनीकों से जुड़े फैसले उनके सामने महत्वपूर्ण चुनौती होंगे। एफडीए केवल दवाओं और वैक्सीन तक सीमित नहीं है। खाद्य सुरक्षा भी उसकी जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ट्रंप प्रशासन में स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने अल्ट्राप्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को लेकर लगातार सवाल उठाए हैं।

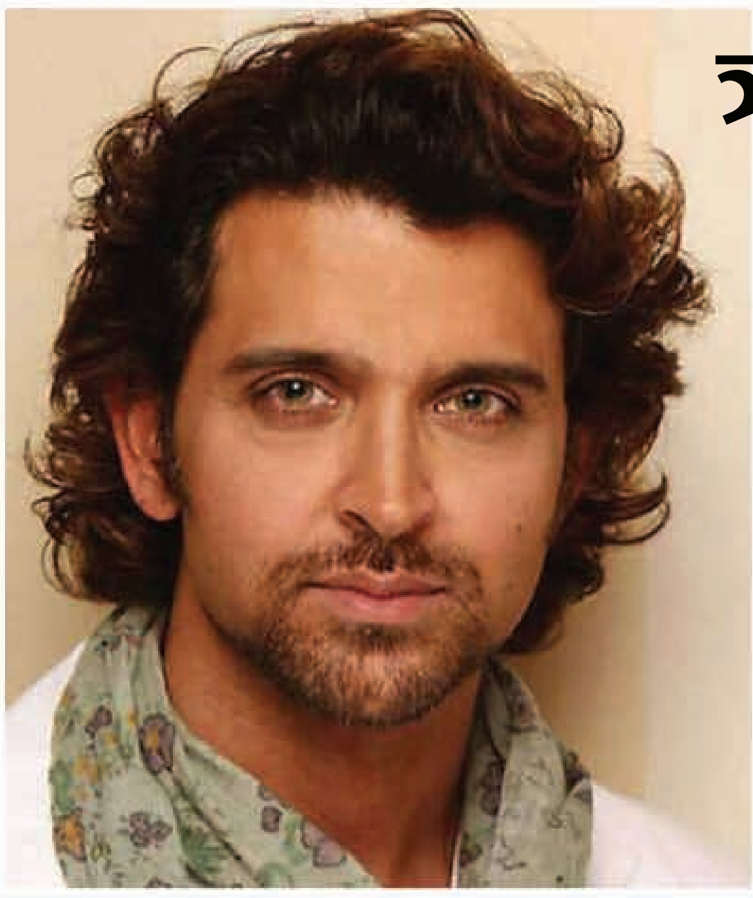

ऋतिक-सबा के ब्रेकअप की खबरों ने पकड़ा जोर

अभिनेता ऋतिक रोशन कई साल से सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ में पार्टी और इवेंट में देखा जाता है। सोशल मीडिया पर भी दोनों एक-दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। मगर, इन दिनों बी-टाउन में दोनों के ब्रेकअप की अटकलों ने जोर पकड़ा है। इसकी वजह ऋतिक रोशन की प्रोफाइल का कथित तौर पर एक डेटिंग एप पर देखा जाना है।

सुजैन खान से तलाक के बाद ऋतिक रोशन की जिंदगी में सबा आजाद की एंट्री हुई है। दोनों के बीच उम्र का काफी अंतर है। मगर, आपसी समझ काफी अच्छी है। अक्सर दोनों छुट्टियां मनाने जाते हैं। साथ में पार्टी करते हैं और बॉलीवुड के कई इवेंट्स में साथ में शिरकत करते हैं। मगर, इन दिनों ऐसी अफवाहें हैं कि दोनों की राहें जुदा हो गई हैं।

क्यों शुरू हुई अटकलें

सबा से ऋतिक के रिश्ते में दूरी की वजह, एक डेटिंग एप पर अभिनेता की प्रोफाइल का पाया जाना है। दरअसल, 'राया' नाम के एक डेटिंग एप पर ऋतिक रोशन की प्रोफाइल होने का दावा किया गया है। इसके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल स्क्रीनशॉट में ऋतिक के प्रोफाइल बायो में 'एक्टर/ प्रोड्यूसर/ एंटरप्रेन्योर' लिखा दिख रहा है। इस वायरल प्रोफाइल के बाद ही ऐसे सवाल आ रहे हैं कि क्या दोनों का ब्रेकअप हो गया है? हालांकि, रिलेशनशिप को लेकर चल रहीं अटकलों पर अभी तक ऋतिक रोशन और सबा आजाद की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

उर्वशी रौतेला ने भी किया था दावा

रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 में उर्वशी रौतेला ने भी एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्होंने सेलिब्रिटी डेटिंग एप 'राया' पर ऋतिक रोशन और आदित्य रॉय कपूर के प्रोफाइल देखे थे। हालांकि, उर्वशी रौतेला ने सीधे-सीधे ऋतिक रोशन के रिलेशनशिप स्टेटस से जोड़कर कोई टिप्पणी नहीं की थी। मगर, उर्वशी के पुराने बयान और अब वायरल स्क्रीनशॉट को लेकर सबा और ऋतिक के रिश्ते में आई दूरी से जोड़कर देख रहे हैं। देखना होगा कि ऋतिक या सबा ऐसी अफवाहों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

वीर पहाड़िया को बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी 'प्रेम कीटाणु'

स्काई फोर्स से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद वीर पहाड़िया लगातार बॉलीवुड में अपना दबदबा कायम करते जा रहे हैं और इसका सबूत है महेश भट्ट की नाम – टू लिव इज़ वॉर के बाद उनकी अगली थिएट्रिकल फिल्म प्रेम कीटाणु, जिसकी घोषणा उन्होंने हाल ही में की है। इस फिल्म में वीर पहाड़िया के साथ अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी नजर आएंगे।

'प्रेम कीटाणु' का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जो 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और चर्चित सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म गौरव वर्मा के नए लॉन्च किए गए बैनर अवनिका फिल्म्स की पहली प्रोडक्शन है, जिसे फार्स फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया जा रहा है। इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है। ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि 'प्रेम कीटाणु' वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू 'स्काई फोर्स' से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। 'स्काई फोर्स' में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग-अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं। जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' भी शामिल है।

महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं। 'प्रेम कीटाणु' और 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां 'प्रेम कीटाणु' रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। 'स्काई फोर्स' के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक को बताया अब तक किए हर काम से बिल्कुल अलग

मुंबई में टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूज़िक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है।

टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूं। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपैंसिव होना, फिल्म का स्केल... पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था। हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंड्योर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के स्केल और इस दुनिया की ग्रैंड्योर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ और इतना ह्यूमन है।

रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहां फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी। एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिकनेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्वा है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

रानी मुखर्जी को मेलबर्न में मिला खास सम्मान

रानी मुखर्जी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक अलग-अलग किरदार निभाए हैं। उन्होंने कभी समाज की सोच को चुनौती देने वाली महिलाओं का किरदार निभाया, तो कभी मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाने वाली महिलाओं की कहानी पर्दे पर उतारी। अब इसी को देखते हुए उन्हें विशेष सम्मान दिया गया है। तीन दशक से ज्यादा समय से अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली रानी को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में खास सम्मान दिया गया है।

उन्हें एक्टिंग में बेहतरीन योगदान के लिए स्पेशल सिटेशन से सम्मानित किया गया। रानी के इस सम्मान को भारतीय सिनेमा में उनके लंबे और शानदार सफर के लिए एक बड़ी पहचान माना जा रहा है। उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें आज भी दर्शक याद करते हैं। उनके किरदारों और फिल्मों ने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी लोगों के दिलों तक जगह बनाई है। 'ब्लैक', 'हम तुम', 'युवा', 'बंटी और बबली', 'नो वन किल्ड जेसिका', 'हिचकी', 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' जैसी फिल्मों में रानी की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है। रानी ने हर फिल्म में अपने किरदार को पूरी ईमानदारी और भावनाओं के साथ निभाने की कोशिश की है। यही वजह है कि उनके कई किरदार आज भी दर्शकों के बीच खास जगह रखते हैं। इस सम्मान के बाद रानी मुखर्जी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्में, उनके किरदार और उनकी आवाज घर से बहुत दूर तक पहुंची हैं। उनके लिए यह सफर बेहद खास रहा है। रानी का यह सम्मान सिर्फ उनकी एक्टिंग को पहचान नहीं देता, बल्कि यह भी दिखाता है कि भारतीय सिनेमा की कहानियां अब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दर्शकों तक पहुंच रही हैं।

आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' में नजर आएंगी कल्याणी प्रियदर्शनी, रणवीर सिंह ने शुरू की शूटिंग

रणवीर सिंह ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ ही रणवीर इस फिल्म से बतौर निर्माता भी जुड़े हैं। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद रणवीर सिंह का यह पहला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं।

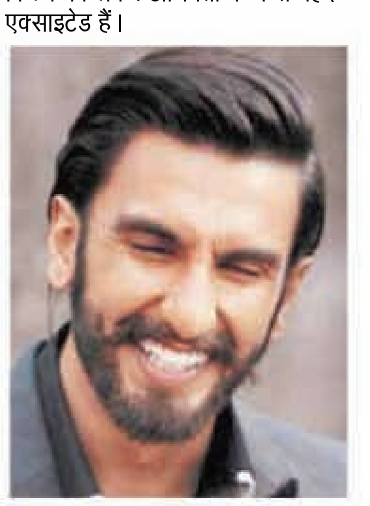

'प्रलय' को रणवीर के करियर का सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। इसे लाइव लोकेशन पर भी शूट किया जाएगा। रणवीर इस फिल्म में अभिनय करने के साथ ही इसका निर्माण भी कर रहे हैं। यह एक धमाकेदार एक्शन फिल्म होगी। रणबीर के लिए यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है। फिल्म में 'लोका' फेम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शनी भी अभिनय करती नजर आएंगी।

बड़े पैमाने पर होगा काम

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'प्रलय' की कहानी काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी। फिल्म में धुआंधार एक्शन सीन्स भी होंगे। रणवीर इस फिल्म के डेवलपमेंट प्रोसेस के दौरान क्रिएटिव चर्चाओं में भी एक्टिव रूप से शामिल हुए हैं। लगभग 300 करोड़ रुपए के बजट में बनने वाली 'प्रलय' रणवीर सिंह के करियर की सबसे महंगी स्टैंडअलोन फिल्म हो सकती है।

फिल्म 'प्रलय' के बारे में

'प्रलय' में रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। वहीं फिल्म का निर्माण अनन्या बिड़ला स्टूडियोज कर रहा है।

'7 डॉग्स' की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हूं

अभिनेता संजय दत्त जल्द ही सलमान खान के साथ इंटरनेशनल फिल्म '7 डॉग्स' में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले हफ्ते रिलीज होने वाली है। एक्टर ने इस फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया।

फिल्म '7 डॉग्स' एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट है। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का नया ट्रेलर लॉन्च किया था। अब इस फिल्म के बारे में संजू बाबा ने अपने अनुभव बताए। संजू ने कहा मैं '7 डॉग्स' के दर्शकों तक पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मुझे भारत में इसके रिलीज होने का बहुत इंतजार था। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट में अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम करने का काफी खास अनुभव रहा है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका जिंदगी में बार -बार नहीं मिलता। यह फिल्म भारतीय दर्शकों को पसंद आएगी। उन्हें इसे देखकर खूब मजा आने वाला है। जब दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे तो उनके लिए यह अलग तरह का अनुभव होगा। अपनी बातचीत में आगे संजय दत्त ने कहा, 'मुझे लगता है भारतीय दर्शकों को इस फिल्म को खुले मन से देखना चाहिए और वे हैरान रह जाएंगे। यह एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है, लेकिन इसकी भावनाएं दर्शकों के लिए आसानी से जुड़ने वाली हैं। इसमें एक्शन है, ड्रामा है, दमदार किरदार हैं और फिल्म को बहुत बड़े स्तर पर बनाया गया है।'

श्रीलंका ने कोलंबो टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। 14 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सहन अराचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को शामिल किया गया है। पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके रिप्लेसमेंट रहे पासिंदु सोरियाबंदारा को भी टीम से बाहर रखा गया है। दूसरे ओपनर निशान मदुश्का को जगह नहीं मिली, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर रमेश मेंडिस और तेज गेंदबाज दिलशान मदुश्का भी टीम में जगह नहीं बना सके। अराचिगे को भारत ए के खिलाफ उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अराचिगे ने भारत ए के खिलाफ हाल ही में श्रीलंका ए क्रिकेट टीम की कप्तानी की थी और बेहतरीन बल्लेबाजी की थी। अराचिगे ने पहले मैच में 72 और दूसरे मैच में 127 रन की पारी खेली थी। दो अनाधिकारिक मैचों की सीरीज में भारतीय साई सुदर्शन के बाद अराचिगे दूसरे श्रेष्ठ स्कोरर रहे थे। अराचिगे को टेस्ट डेब्यू का इंतजार है। मिशारा लंका प्रीमियर लीग 2026 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने हाल के सीजन में नौ पारियों में 411 रन बनाए थे। उन्होंने गॉल गैलेंट्स के खिलाफ शतक भी बनाया था। वे मेजर क्लब्स टी20 कॉम्पिटिशन में शानदार फॉर्म में थे और महज 72 गेंदों पर 145 रन की पारी खेली थी। श्रीलंका पहला टेस्ट मैच हार चुकी है। सीरीज बचाने के लिए श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में भारत के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पहला टेस्ट टीम इंडिया ने 165 रन से जीता था।

श्रीलंका टीमः

लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पासिंदू सोरियाबंदारा, कामिंडू मेंडिस (उपकप्तान), धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सहन अराचिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो।

कोलंबो में भारतीय उच्चायुक्त ने टीम इंडिया और श्रीलंका क्रिकेट टीम की मेजबानी की

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने कोलंबो में श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ रविवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच से पहले इंडिया हाउस में भारतीय क्रिकेट टीम की मेजबानी की। भारतीय उच्चायुक्त झा ने गुरुवार रात भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही श्रीलंकाई टीम की भी मेजबानी की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी दी है और इसे एक 'यादगार शाम' बताया है। बीसीसीआई ने अपने एक्स में लिखा, 'कोलंबो में एक यादगार शाम। श्रीलंका में इंडिया के उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले कोलंबो के इंडिया हाउस में भारतीय टीम की मेजबानी की।' झा ने दोनों टीमों की मेजबानी करके खुशी जाहिर की और कार्यक्रम की कुछ झलकियां एक्स पर साझा की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'टीम इंडिया के साथ चीयर कर रहा हूं। श्रीलंका में चल रहे आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैचों के दौरान भारतीय और श्रीलंकाई पुरुष क्रिकेट टीमों की मेजबानी करके खुशी हो रही है। खेल के लिए एक जैसे जुनून से बंधा, क्रिकेट भारत और श्रीलंका के बीच हमेशा रहने वाले रिश्तों को और मजबूत कर रहा है।' भारत ने गाले में पहले टेस्ट में 165 रन की बड़ी जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। गाले टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमटकर 178 रनों से पिछड़ी थी। भारतीय टीम दूसरी पारी में 193 रन पर सिमटी और पहली पारी में मिले 178 रन की बढ़त के आधार पर श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का लक्ष्य दिया। श्रीलंका दूसरी पारी में 206 रन पर सिमट गई और 165 रन से मैच हार गई। दूसरी पारी में भारत के लिए मानव सुथार ने 6 विकेट लिए थे।

सिनसिनाटी ओपन

इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंची

एलेना रयबाकिना इंजरी की वजह से बाहर

सिनसिनाटी, एजेंसी। एलेना रयबाकिना को सिनसिनाटी ओपन क्वार्टर फाइनल मैच से बाएं टखने में चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इंजरी की वजह से जहां वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, वहीं उनकी विपक्षी इगा स्वियाटेक सेमीफाइनल में पहुंच गईं। मैच के दौरान स्वियाटेक 4-1 से आगे थीं और रयबाकिना 40-15 पर सर्व कर रही थीं। उसी समय रयबाकिना के लिए मुश्किल शुरू हुई। रयबाकिना नेट पर एक रैली खत्म नहीं कर सकीं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पॉइंट पर उन्हें अपनी पहली सर्व पर पुश करने में मुश्किल हुई, जो सिर्फ तीन शॉट तक चली, और गेम के बीच में मेडिकल जांच के बाद, रयबाकिना ने कुछ देर बाद मैच खत्म करने का फैसला किया। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अच्छा नहीं लग रहा है, मैं सर्व से पुश भी नहीं कर पा रही थी। चलने में दर्द हो रहा है। एमआरआई के बाद समस्या के बारे में और पता चलेगा।' उन्होंने कहा, 'यह मुझे लंबे समय से परेशान कर रहा था। कनाडा में बहुत सारे मैच खेलने और यहां लगातार दो मैच खेलने के बाद और मैच से पहले ठीक लग रहा था लेकिन बदकिस्मती से एक गलत मूवमेंट, एक लैंडिंग, और समस्या शुरू हो गई।' बुधवार को चौथे राउंड में सारा बेजलेक

सिनसिनाटी ओपन

आर्थर फिल्स ने थियागो अगस्टिन टिरेंटे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी। आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरेंटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी। फरवरी में आठ महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए फिल्स का शानदार सीजन रहा है। एटीपी जीत/हार इंडेक्स के मुताबिक, इस साल फ्रेंचमैन का टूर-लेवल रिकॉर्ड 30-10 रहा है, जिसमें बार्सिलोना में एक खिताब और मियामी और मैड्रिड में मास्टर्स 1000 इवेंट्स के सेमीफाइनल में पहुंचना शामिल है।

पहले सेट में 4-3 पर एक अहम ब्रेक हासिल करने के बाद, फिल्स ने लगातार जबरदस्त फोरहैंड लगाए, जिससे टिरांटे लगातार बैकफुट पर रहे। एटीपी के मुताबिक, 22 साल के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी और पूरे मैच के दौरान उन्हें कभी भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। अब वह टाइटल मैच में जगह बनाने के लिए फ्लेवियो कोबोली से भिड़ेंगे, दोनों खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचना चाहते हैं।

कोबोली ने घरेलू पसंदीदा टॉमी पॉल के खिलाफ 2-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओहियो में अपने पहले मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। 24 साल के खिलाड़ी अब जून में रोलैंड गैरोस चैंपियनशिप मैच में पहुंचने के बाद अपने पहले सेमीफाइनल की तैयारी करेंगे। वह 2024 और 2025 में जैनिक सिनर के बाद सिनसिनाटी में अंतिम चार में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे इटैलियन खिलाड़ी हैं। पॉल के खिलाफ जीत के साथ, कोबोली ने यह भी पक्का कर लिया कि वह सोमवार को एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वह अभी लाइव रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 6 पर हैं।

जैकब मार्टिन को 22 साल पुराने में पटियाला हाउस कोर्ट ने बरी किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज जैकब मार्टिन को पटियाला हाउस कोर्ट ने 22 साल पुराने एक मामले में बड़ी राहत दी है। 2004 के इस मामले में कोर्ट ने मार्टिन को सभी आरोपों से बरी कर दिया है। पूर्व क्रिकेटर पर फर्जी यूके आव्रजन स्टाम्प, यात्रा व्यवस्था और वित्तीय लेनदेन से जुड़ा आरोप लगाया गया था, जिसे साबित नहीं किया जा सका। अदालत को वित्तीय लेनदेन या अजवा स्पोर्ट्स क्लब पर उनके स्वामित्व या नियंत्रण से जुड़ा कोई भी ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं मिला। कई गवाह भी इन आरोपों को साबित करने में विफल रहे। मीडिया से बात करते हुए मार्टिन ने बताया कि यह मामला 2004 में उनकी टीम के एक सदस्य द्वारा ब्रिटेन का वीजा समाप्त होने के बाद वहां रुकने और फर्जी आव्रजन स्टाम्प लगवाकर भारत लौटने के बाद शुरू हुआ था। मूल एफआईआर में उनका नाम नहीं था। बाद में उनका नाम मामले में जोड़ दिया गया। घटना के बारे में मार्टिन ने कहा, 2004 में टीम इंग्लैंड खेलने गई थी। जो टीम 2004 में इंग्लैंड गई थी, उसमें से एक लड़के को छोड़कर बाकी सब वापस आ गए। वीजा की वैधता छह महीने की थी, वह छह महीने तक रह सकता था। वह इससे अधिक समय तक रुका रहा। किसी के जरिए उसने वहां फर्जी स्टैंपिंग करवा ली। फर्जी स्टैंपिंग कराने के बाद जब वह भारत वापस आया, तो उसे ब्रिटेन से डिपोर्ट कर दिया गया था। उसे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया और फिर उससे पूछताछ की गई। उन्होंने कहा, 'मेरा नाम एफआईआर में नहीं था, लेकिन जब जांच हुई, तो एक बड़ा नाम होने के नाते मुझे इस मामले में घसीटा गया।

यूएस ओपन 2026: प्राइज मनी में भारी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खिलाड़ियों द्वारा प्राइज मनी बढ़ाने की मांग लंबे समय से चल रही है। यूएस ओपन 2026 में खिलाड़ियों की ये मांग पूरी होने वाली है। यूएस ओपन में इस बार खिलाड़ियों के प्राइज मनी में इजाफा होने वाला है। यूएस ओपन की प्राइज मनी में 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। खिलाड़ियों की कुल सैलरी बढ़कर 108 मिलियन डॉलर हो गई है। टूर्नामेंट से पहले, यूएसटीए (यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन) ने एक बयान जारी कर इसकी घोषणा की। यूएसटीए के सीईओ क्रेग टिली ने कहा कि यह कदम खेल के आगे बढ़ने के लिए जरूरी हो सकता है। यह एथलीटों में कई सालों के निवेश में एक अहम पहला कदम है क्योंकि यूएस ओपन खिलाड़ियों के लिए सबसे अच्छा आर्थिक मौका और खिलाड़ियों, फैंस और पार्टनर्स के लिए टेनिस में सबसे कीमती प्लेटफॉर्म बना हुआ है। एकल विजेता को 52.65 करोड़ मिलेंगे। वहीं, एकल फाइनल में हारने वाले खिलाड़ी को करीब 26.80 करोड़ रुपये (2.8 मिलियन) दिए जाएंगे। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को लगभग 7.46 करोड़ रुपये (780,000) और सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले प्लेयर्स को करीब 13.88 करोड़ रुपये (1.45 मिलियन) मिलेंगे। डबल्स मुकाबलों में पुरुष, महिला और मिक्स जीतने वाले प्लेयर्स को लगभग 9.57 करोड़ रुपये दिए जाएंगे, जिन्हें वे आपस में बाटेंगी। वहीं उपविजेता टीमों को करीब 5,00,000 मिलियन डॉलर दिए जाएंगे। इसके अलावा, व्हीलचेयर सिंगल्स के चैंपियन्स को लगभग 99 लाख रुपये (1,04,000) की इनामी राशि मिलेगी। पहले ही मैच में हारकर बाहर होने वाले खिलाड़ी को भी लगभग भारतीय रुपये में 1.34 करोड़ रुपये (140,000) मिलेंगे। यूएस ओपन रोमांचक होने वाला है। पिछले 4 महीने से पेशेवर टेनिस से दूर रहे पूर्व चैंपियन कार्लोस अल्काराज अपना खिताब बचाने के लिए उतरेंगे। अल्काराज ने अप्रैल के बाद से एक भी मैच नहीं खेला है। उन्हें बार्सिलोना ओपन के दौरान कलाई में चोट लग गई थी। चोट की वजह से वह फ्रेंच ओपन, विंबलडन और कई दूसरे टूर्नामेंट से भी बाहर रहे। यूएस ओपन 2026 की शुरुआत 23 अगस्त से होगी और 13 सितंबर को पुरुषों के फाइनल के साथ खत्म होगा।

डोपिंग को लेकर नाडा की बड़ी कार्रवाई, इस भारतीय भाला फेंक एथलीट पर लगाया 10 साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने डोपिंग को लेकर कड़ी कार्रवाई की है। ओलंपियन भाला फेंक एथलीट शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए 10 साल का प्रतिबंध लगाया गया है। पूर्व एशियाई रजत पदक विजेता और ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह पर दूसरे डोपिंग अपराध के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल ने 10 साल का प्रतिबंध लगाया है। शिवपाल प्रतिबंधित पदार्थ मेथाएंडिएनोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। 31 साल की उम्र में यह प्रतिबंध उनके खेल करियर का अंत कर सकता है। शिवपाल ने टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

पहले लगा था चार साल का प्रतिबंध

नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने अगस्त 2022 में उन्हें डोपिंग उल्लघंन का दोषी मानते हुए 2021 से चार साल का प्रतिबंध लगाया था। यह प्रतिबंध 2025 तक चलना था, लेकिन शिवपाल ने नाडा के अपील पैनल के सामने सफलतापूर्वक तर्क दिया कि उनकी डोप जांच में पॉजिटिव आने के पीछे दूषित सप्लीमेंट्स जिम्मेदार थे। जनवरी 2023 में अपील पैनल ने उनकी दलील स्वीकार करते हुए प्रतिबंध को चार साल से घटाकर सिर्फ एक साल कर दिया।

एशियाई चैंपियनशिप में जीता था रजत

शिवपाल के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि 2019 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतना है। दोहा में उन्होंने 86.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह पदक हासिल किया था। हालिया मामलों में कार्रवाई का सामना करने वाले शिवपाल अकेले भारतीय एथलीट नहीं हैं। धाविका एमवी जिल्ना को भी दूसरे डोपिंग उल्लघंन के लिए अस्थायी रूप से निलंबित किया गया और वह मेफेंटरमाइन के लिए पॉजिटिव मिलीं। इससे पहले 2021 में शिवपाल का डोप नमूना प्रतियोगिता से बाहर की गई जांच में एक स्टेरॉयड के लिए पॉजिटिव आया था।

कट शॉट बना यशस्वी जायसवाल का 'दुश्मन', 27 गेंदों में 4 बार फंसे...कोलंबो टेस्ट से पहले की गंभीर तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी मैदान में 23 अगस्त (रविवार) से होना है. लेकिन इस मुकाबले से पहले यशस्वी जायसवाल अपनी एक खास कमजोरी पर जोरदार मेहनत कर रहे हैं. भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाना है. मुकाबले से दो दिन पहले यशस्वी जायसवाल ने नेट्स में अपनी उस कमजोरी पर खास तौर पर काम किया, जो गॉल टेस्ट में फिर सामने आई थी. ऑफ स्टंप के बाहर तेज गेंदबाजों की गेंद पर कट शॉट खेलने की उनकी आदत इन दिनों परेशानी बनती दिख रही है. भारत के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल अब तक 30 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और उन्होंने हर टेस्ट अलग-अलग मैदान पर खेला है. टेस्ट डेब्यू से लेकर अब तक उनका सफर कैरेबियाई देशों, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और अब श्रीलंका तक पहुंच चुका है. सिर्फ तीन साल के टेस्ट करियर में ही जायसवाल भारतीय बल्लेबाजी की अहम कड़ी बन चुके हैं. सफेद गेंद क्रिकेट वाली उनकी आक्रामकता

नेट्स में शुरू हुआ सुधार का काम

जायसवाल के गलत शॉट खेलने का प्रतिशत भी बढ़ा है. पहले यह आंकड़ा 31.1 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 48.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है. यही वजह रही कि शुक्रवार को कोलंबो के स्स्ष्ट मैदान पर भारत के तेज गेंदबाजों ने नेट्स में उन्हें लगातार इस एरिया में परखने की कोशिश की.

कट शॉट बना परेशानी की वजह?

गॉल टेस्ट में श्रीलंका के तेज गेंदबाज फर्नांडो ने जायसवाल को ऑफ स्टंप के बाहर की लेंथ गेंद पर फंसाया. जायसवाल गेंद को कट करने के लिए गए, लेकिन किनारा लगा और गेंद विकेटकीपर डिकवाला के पास चली गई. आंकड़े बताते हैं कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलते हुए आउट होने का पैटर्न हाल के महीनों में बढ़ा है. पिछले साल अक्टूबर में भारतीय घरेलू टेस्ट सीजन शुरू होने के बाद से जायसवाल सिर्फ 27 गेंदों में तेज गेंदबाजों के खिलाफ कट शॉट खेलने के प्रयास में चार बार आउट हो चुके हैं. वहीं टेस्ट डेब्यू से लेकर पिछले साल इंग्लैंड दौरे तक, करीब दो साल के दौरान वह 190 गेंदों में सिर्फ चार बार इस शॉट पर आउट हुए थे. यानी हाल के समय में यह कमजोरी ज्यादा साफ होकर सामने आई है.

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप

त्रिसा-गायत्री ने दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी को हराया, महिला डबल्स में मेडल पक्का

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की महिला डबल्स जोड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में उलटफेर करते हुए दुनिया की नंबर 4 चीनी जोड़ी जी यिफान और झांग शुक्सियन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। त्रिसा-गायत्री की जीत ने देश के लिए मेडल पक्का कर दिया है। भारतीय जोड़ी ने एक गेम पीछे रहने के बाद चीनी जोड़ी पर 16-21, 21-15, 21-13 से जीत दर्ज की और महिला डबल्स में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली दूसरी जोड़ी बन गई। इससे पहले महिला डबल्स में 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने कांस्य पदक जीता था। शुरुआत में भारतीय जोड़ी कमजोर दिखी क्योंकि जिया और झांग ने 6-2 की बढ़त बना ली और शुरुआती गेम तक अपनी बढ़त बनाए रखी। त्रिसा और गायत्री ने धीरे-धीरे अपनी आक्रामक रिदम पाई, अपने पावरफुल स्मैश और नेट के दम पर अंतर को 8-9 कर दिया। हालांकि, रिकवरी इतनी नहीं थी कि चीनी खिलाड़ी को 11-8 की बढ़त के साथ ब्रेक में जाने से रोका जा सके और आखिरकार शुरुआती गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम भारतीयों ने अपने विरोधियों को वैसा नियंत्रण नहीं करने दिया, लंबी रैलियों में उनका मुकाबला किया और दबाव में डिफेंड करते हुए इंटरवल पर 11-10 की मामूली

बढ़त हासिल की। वहां से, त्रिसा और गायत्री और ज्यादा आक्रामक हो गईं। उनके क्रॉस-कोर्ट अटैक ने बार-बार चीनी जोड़ी को कोर्ट के पार खींचा, जबकि उनके डिफेंस ने जिया और झांग के दबाव को झेला। इंडियन्स ने 17-14 की बढ़त के साथ शुरुआत की और फिर गेम 21-15 से खत्म करके निर्णायक बना दिया। निर्णायक गेम में 4-4 से बराबरी की शुरुआत के बाद, त्रिसा ने एक जोरदार स्मैश से ब्रेकथ्रू पाया, और भारतीय जोड़ी ने बढ़त बना ली। लगातार सात पॉइंट्स ने मैच का पासा पलट दिया, जिससे वे 4-4 से 9-4 पर आ गए। त्रिसा के अटैक ने चीनी जोड़ी को नुकसान पहुंचाना जारी रखा। भारतीय जोड़ी ने 11-5 की बड़ी बढ़त के साथ इंटरवल में एंट्री की। साइड बदलने के बाद, जिया और झांग ने थोड़ी देर के लिए अपनी चुनौती को फिर से शुरू करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार तीन पॉइंट्स जीतकर अपनी लय वापस पा ली। चीनी जोड़ी पर बढ़ते दबाव के साथ, उनके गेम में गलतियां होने लगीं। 18-9 पर, भारतीय बस बराबरी पर थे। झांग के शॉट को आउट दिए जाने के बाद एक समीक्षा से नतीजे में ज्यादा बदलाव नहीं आया। चीनी जोड़ी की दो और गलतियों ने त्रिसा और गायत्री को निर्णायक पाइंट दिला दिए। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी का पदक पक्का हो गया।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com